E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच पीएम बोले- स्वदेशी अपनाओ,कहा- व्यापारी विदेशी छोड़ मेड इन इंडिया प्रोडक्ट बेचें,डबल बोनस पर बताया.. द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया पेज न. 7 पर..

वर्ष -11 अंक -146 | प्रयागराज, मंगलवार 19 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

चीन के विदेश मंत्री वांग दो दिन के भारत दौरे पर,पीएम मोदी से आज होगी मुलाकात

नयी दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग यी सोमवार से दो दिन के भारत दौरे पर रहेंगे। वे आज शाम विदेश मंत्री एस जयशंकर से वार्ता करेंगे। वांग मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। चीनी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच बॉर्डर को लेकर विवाद पर स्थायी शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए नए विश्वास-निर्माण उपायों पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। वांग की इस यात्रा को 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच घातक झड़पों के बाद दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव को फिर से बेहतर बनाने के प्रयासों के रूप में भी देखा जा रहा है। चीनी विदेश मंत्री मुख्य रूप से भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के एक नए दौर की बैठक के लिए भारत आएंगे। वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। दोनों देशों की तरफ से एलएसी पर हालात की समीक्षा के अलावा नए विश्वास-निर्माण उपायों पर बातचीत किए जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन समिट में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले पीएम मोदी 2018 में चीन गए थे। बतौर प्रधानमंत्री पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है।

वन नेशन वन इलेक्शन- पूर्व सीजेआई खन्ना ने सुझाव दिया:बोले- आयोग को चुनाव टालने का हक अप्रत्यक्ष राष्ट्रपति शासन जैसा

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' विधेयक की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति को महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता यह नहीं दर्शाती कि उसके प्रावधान वांछनीय या आवश्यक हैं। जस्टिस खन्ना ने समिति को बताया कि संविधान संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है। भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति के साथ विचार साझा करने वाले अधिकांश विशेषज्ञों ने विधेयक को असंवैधानिक मानने से इनकार किया, लेकिन प्रावधानों पर सवाल उठाए। जस्टिस खन्ना ने यह भी कहा कि अगर चुनाव आयोग को चुनाव टालने का अधिकार मिल गया तो यह अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति शासन जैसा होगा। इसका मतलब होगा कि केंद्र सरकार राज्यों का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकती है। उन्होंने कहा कि 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के एक साथ चुनाव हुए थे, वह सिर्फ संयोग था, न कि संविधान का आदेश। पूर्व सीजेआई खन्ना से पहले पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेएस खेहर, जस्टिस यूयू ललित और पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई भी संसदीय समिति के सामने अपनी राय दे चुके हैं। एक्सपर्ट्स ने कहा था- वन नेशन वन इलेक्शन से जीडीपी 1.5फीसदी तक बढ़ सकती है.वन नेशन वन इलेक्शन पर 30 जुलाई को संसद भवन एनेक्सी में जेपीसी की बैठक हुई थी। इसमें 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह और इकोनॉमी की प्रोफेसर डॉ. प्राची मिश्रा ने अपनी राय रखी थी। दोनों ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने को आर्थिक रूप से फायदेमंद बताया।

दिल्ली के 3 स्कूलों को मिली बम की धमकी, प्रशासन ने स्कूल खाली करवाए,बम स्क्वॉड पहुंचा, तलाशी जारी

नयी दिल्ली। दिल्ली के 3 स्कूलों को सोमवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद एहतियात के तौर पर स्कूलों को खाली करा दिया गया है। इन स्कूलों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, मॉडर्न कॉन्वेंट और श्रीराम स्कूल का नाम शामिल हैं। दिल्ली फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सुबह 7 बजे स्कूल के अंदर एक विस्फोटक उपकरण होने की सूचना मिली थी। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की कई टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। तलाशी अभियान जारी है। जुलाई महीने में दिल्ली समेत मुंबई और बेंगलुरु के स्कूलों को भी धमकी भरे ईमेल मिले थे, लेकिन ये मेल झूठे निकले। सुरक्षा एजेंसियों को स्कूलों में कुछ नहीं मिला।दिल्ली और बेंगलुरु में 18 जुलाई को 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल थे। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक,खड़गे के ऑफिस में जॉइंट कैंडिडेट पर चर्चा,भाजपा ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया

नयी दिल्ली। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार पर चर्चा कर सकता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के ऑफिस में सुबह 10:15 बजे संसदीय दल की बैठक बुलाई गई है। खड़गे की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में इंडिया ब्लॉक उपराष्ट्रपति पद के लिए जॉइंट कैंडिडेट का नाम तय सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई सूत्रों के हवाले से बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार रात खड़गे से फोन पर एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन मांगा।भाजपा ने रविवार को एनडीए की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा की थी। भाजपा ने संसदीय दल की बैठक के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाने का ऐलान किया था। निर्विरोध चुनाव के लिए विपक्ष से बात करेंगे भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन को निर्विरोध चुनने के लिए विपक्ष से बात करेगी। नड्डा ने कहा कि आम सहमति बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हम विपक्ष से भी बात करेंगे, ताकि हम मिलकर उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध चुनाव करवा सकें। नड्डा ने कहा, 'हमने पहले भी कहा था कि हम उनके (विपक्ष) संपर्क में हैं, और हमारे सीनियर नेताओं ने उनसे संपर्क किया है और आगे भी

हम उनके संपर्क में रहेंगे। सीपी राधाकृष्णन के नाम पर सभी एनडीए एनडीए सहयोगियों ने हमारा समर्थन किया है। एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान एनडीए शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे।उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती है: उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य (सांसद) शामिल होते हैं। राज्यसभा में 233 निर्वाचित सांसद और 12 नामांकित सांसद हैं। लोकसभा में 543 सांसद हैं। यानी कुल सांसदों की संख्या 788 है। मौजूदा समय में राज्यसभा में 5 और लोकसभा में एक सीट खाली है। इसलिए निर्वाचक मंडल में यह संख्या 782 होगी। इस तरह उपराष्ट्रपति चुनाव जीत में 391 सांसदों (50फीसदी) के समर्थन की जरूरत होगी। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचना: चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त को कैंडिडेट नामांकन वापस ले सकता है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरी: उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता है: हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्ट: मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी। लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास एक129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

प्रयागराज में चक्काजाम करने वाले 133 पर एफआईआर,सोनार की हत्या के बाद रोड पर लगाया था जाम, 3 एंबुलेंस भी फंसी थीं

प्रयागराज।सोनार अमन सोनी की हत्या के बाद सड़क जाम में शामिल 13 नामजद और 120 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रेम पटेल समेत तीन लोगों ने पैसा देने के बहाने अमन सोनी को हरखपुर नहर पर बुलाया। आरोपियों ने चाकू से उनकी हत्या कर दी और शव को नहर में फेंक दिया। मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों ने इस घटना के विरोध में प्रयागराज-फैजाबाद मार्ग पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें तीन एंबुलेंस भी फंस गईं। राहगीरों की मदद से एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।परिजनों का कहना है कि जब तक सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं होंगे, वे शांत नहीं बैठेंगे। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण रुपयों का लेन-देन है। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। दोपहर 3 बजे तक प्रदर्शनकारी हाईवे पर डटे रहे, जबकि पुलिस उन्हें समझाने का प्रयास करती रही। इस संबंध में एसीपी फूलपुर पंकज लावनिया से बात करने पर बताया गया कि सड़क जाम के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है वीडियो फुटेज के आधार पर सभी आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कर्जन ब्रिज के पास युवती के साथ दरिंदगी,मारपीट और लूट का भी पीड़िता ने लगाया आरोप

प्रयागराज। शहर के शांतिपुरम की एक युवती ने रविवार को फाफामऊ थाने पहुंचकर सनसनीखेज आरोप लगाए। कहा कि शनिवार रात दोस्त संग घर लौटते वक्त कर्जन ब्रिज के नीचे घसीटकर जमकर पीटने के बाद दो युवकों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इससे पहले विरोध पर उसके दोस्त को मारपीट कर भगा दिया। सात हजार नकदी व मोबाइल भी छीन लिया। पुलिस देर रात तक जांच पड़ताल में जुटी रही। युवती एक निजी अस्पताल में नर्स है। उसने बताया कि शनिवार रात वह दोस्त के साथ शहर घूमने गई थी। रात 8:30 बजे के करीब लौटते वक्त कर्जन ब्रिज के पास लघुशंका के लिए रुकी। इसी दौरान वहां दो युवक पहुंचे और उसे घसीटकर ले जाने लगे। उसे पुल के नीचे की ओर घसीट ले जाने के बाद कपड़े फाड़ने लगे। विरोध पर मुंह व गला दबाकर डंडे से पिटाई की। इसके बाद सामूहिक दुष्कर्म किया। सात हजार रुपये व मोबाइल भी छीन लिया। इसके बाद फोन कर अपने दो साथियों को बुलाया जिनमें से एक उसे बाइक से नवजीवन अस्पताल के पास छोड़कर भाग निकला। रास्ते में धमकी दी कि अगर मुंह खोला तो उसे जान से मार देंगे। प्रकरण में देर रात तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। फाफामऊ थानाध्यक्ष अश्वनी सिंह ने युवती के आरोपों को फर्जी बताया। यह भी कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

75 बीएलओ समेत 84 पर होगी एफआईआर, पंचायत चुनाव में निर्वाचक नामावली कार्यों के लिए लगी थी ड्यूटी,मोबाइल ऑफ कर हो गए गायब

प्रयागराज। यूपी में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत को देखते हुए तैयारियां अभी से शुरू हो चुकी हैं। इस चुनाव ड्यूटी में लापरवाही करने वालों पर अभी से एक्शन शुरू हो गया है। ऐसे 75 बीएलओ और 9 सुपरवाइजर चिह्नित किए गए हैं जो इस कार्य में लापरवाही कर रहे थे। ड्यूटी पर उपस्थित होने के बजाय मोबाइल ऑफ कर गायब हो गए थे। संबंधित उप जिलाधिकारी की ओर से से इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, निर्वाचक नामावली के कार्यों के लिए शिक्षक, शिक्षामित्र, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की ड्यूटी लगाई गई थी लेकिन इसमें ज्यादातर पहले ही लापरवाही में शामिल हो गए हैं। त्रिस्तरीय पंचायत को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद के कुल 1540 गांवों में कुल 1854 बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक, शिक्षामित्र, लेखपाल व अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है। लेकिन पहले ही दिनों में बड़ी संख्या में लापरवाही करने वालों के नाम सामने आ गए।

ख़बरे ज़रा हटके

1. एआई से प्यार के बाद पत्नी से तलाक क्यों मांगा?

क्या आपने सुना है कि कोई इंसान अपनी शादी तोड़कर एक 'आर्टिफिशियल गर्लफ्रेंड' के साथ रहने लगे? चीन में 75 साल का एक बुजुर्ग ऐसा ही करने जा रहा था। प्यार का यह अजीबोगरीब मामला जियांग नाम के बुजुर्ग का है। उन्हें एक एआई चैटबॉट से प्यार हो गया। वह रोज सुबह उन्हें गुड मॉर्निंग बोलती और समय-समय पर फ्लर्ट करती। बीजिंग डेली के अनुसार, सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते वक्त जियांग को यह एआई अवतार मिला। वे बेसब्री से उसके मैसेज का इंतजार करते। जियांग के लिए यह रिश्ता उनकी असली शादी से ज्यादा खास हो गया। बच्चों ने समझाया तब टूटी 'गलतफहमी' जियांग हर समय फोन से चिपके रहने से उनकी पत्नी परेशान हो गईं। दोनों के बीच तनाव बढ़ने लगा। इतना ही नहीं जियांग ने अपनी वर्चुअल पार्टनर के लिए पत्नी से तलाक ही मांग लिया। इसके बाद जब उनके बच्चों ने मिलकर उन्हें समझाया कि एआई अवतार कैसे काम करते हैं, तब जाकर उन्हें इस भ्रम से मुक्ति मिली।

2. हवा से पानी कैसे बनाया जा सकता है?

आम तौर पर हमारे घर पानी कहां से मिलता है? हैंडपंप, म्यूनिसपल कॉर्पोरेशन का नल और गांव में नदी या कुएं से. लेकिन अफ्रीका का एक देश हवा से पानी बना रहा है। यह देश है कैमरून। यहां वातावरण में मौजूद कोहरे, ओस और नमी को पानी में बदला जाता है। ऐसा 'वार्का टावर' की मदद से किया जाता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि किसी इलाके का तापमान और वातावरण में नमी की स्थिति चाहे जो भी हो, हवा में हमेशा एक तय मात्रा में भाप मौजूद रहती है। इस वजह से दुनिया में कहीं भी हवा से पानी बनाया जा सकता है। यह टावर हर दिन करीब 40 से 80 लीटर पानी हवा से सोखता है। फुली ऑटोमैटिक यह टावर बिना बिजली के काम करता है। दरअसल, यह गुरुत्वाकर्षण और वाष्पीकरण जैसी प्राकृतिक घटनाओं से चलता है। भारत में बनती है हवा से पानी बनाने वाली मशीन भारत में भी 'एयर वाटर जनरेटर' बनाया और प्रयोग किया जा रहा है। यह छोटी मशीन भी हवा में मौजूद नमी को पानी में बदली है। हालांकि, इसके लिए बिजली की जरूरत होती है। साथ ही इस तरह बने पानी में यह मशीन कुछ जरूरी मिनरल्स भी मिलाती है। तेलंगाना में 'मैत्री एक्वाटेक' नाम की कंपनी यह मशीन बनाती है।

3. बुजुर्ग कोबरा लेकर डीएम ऑफिस क्यों जाने लगा?

अगर आपका नाम राशन कार्ड लिस्ट से कट जाए और तमाम कोशिशों के बाद भी दोबारा जुड़ न पाए तो आप क्या करेंगे? जाहिर है, ऑफिस दर ऑफिस भटकेंगे या नेताओं की सिफारिश लगवाएंगे। वहीं, एक बुजुर्ग जब ये सब करके परेशान हो गया तो डीएम ऑफिस में जहरीला कोबरा सांप छोड़ने चल दिया।घटना उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की है। किसान राधेश्याम मौर्य पॉलिथीन में कोबरा लेकर जा रहे थे। रास्ते में लोगों ने देखा तो पूछताछ की। इतने में किसी ने पुलिस को फोन कर दिया। राधेश्याम ने पुलिस से कहा, '2 साल से परेशान हूं। राशन कार्ड नहीं बन रहा। डीएम ऑफिस में सांप छोड़ेंगे तो सबका ध्यान मेरी समस्या पर जाएगा।' पुलिस के समझाने पर बुजुर्ग मान गया और सांप जंगल में छोड़ दिया। डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफिसर ने मामले का नोटिस लेकर राशन कार्ड बनवाने का आश्वासन दिया है।

4. रोबोट्स का ओलिंपिक कहां हो रहा है?

चीन में रोबोट का ओलिंपिक चल रहा है। बीजिंग में हो रहे 'वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स' में जापान, अमेरिका और जर्मनी सहित 16 देशों के 500 से ज्यादा रोबोट भाग ले रहे हैं। एआई-पावर्ड रोबोट्स किक बॉक्सिंग, रेस, फुटबॉल जैसे 26 खेलों में मुकाबला कर रहे हैं। इस दौरान कुछ मजेदार हादसे भी हो रहे हैं। 1500 मीटर रेस में एक अजीबोगरीब घटना हुई। दौड़ते समय एक रोबोट का सिर धड़ से अलग होकर गिर गया, जिसके बाद उसे बाहर कर दिया गया। वहीं, फुटबॉल मैच में एक रोबोट लड़खड़ाकर गिर गया। इसके बाद उसके पीछे चल रहे कई और रोबोट भी टकराकर गिर पड़े। आखिर में इंसानों को उन्हें उठाना पड़ा। एक हादसा इसकी ओपनिंग सेरेमनी में भी हुआ। एक रोबोट की औपचारिक शुरुआत के लिए मशाल जलाने की कोशिश में गिर पड़ा।

5. पति के मरने पर महिला ने उसकी खाल क्यों उतरवाई?

आपने शाहजहां के बारे में सुना होगा जिसने अपनी पत्नी मुमताज की याद मे ताजमहल बनवाया था। अमेरिका की एक महिला ने पति की मौत के बाद उसकी खाल को फ्रेम करवा लिया। अपने प्यार को हमेशा याद रखने के लिए लिया गया यह अजीबोगरीब फैसला अब इंटरनेट पर लोगों को हैरान कर रहा है। वेस्ट वर्जीनिया की एक नर्स एंजेलिका रादेवस्की के पति टीजे अचानक मौत हो गई। तो टीजे की टैटू वाली स्किन का एक टुकड़ा निकलवाकर उसे फ्रेम करवा लिया। एक वीडियो में एंजेलिका ने बताया- 'टीजे के शरीर पर 70 से ज्यादा टैटू थे। मैंने और मेरे बेटे ने उनके दाहिने हाथ पर बना टैटू बचाकर रखने का फैसला किया। यह टीजे का पहला टैटू था। उन्हें और हमारे बेटे को यह बहुत पसंद था।' एंजेलिका बोलीं- यह भावनात्मक जुड़ाव देती है एंजेलिका कहती हैं- ये कोई नकली चीज नहीं है। इसमें आप उनके बाल, उनकी झुर्रियां, और वो स्याही देख सकते हैं जिसे मैं रोज रात को किस करती थी। एंजेलिका और उनके बेटे का कहना है कि यह गहरा शारीरिक और भावनात्मक जुड़ाव देती है।

गहने चोरी हुए थे, रुपए मांगने पर मार डाला,प्रयागराज में सोनार की हत्या का दूसरा आरोपी भी हिरासत में, दो टीमों ने 5 गांवों में की छापेमारी

प्रयागराज। मऊआइमा इलाके में रविवार को दिनदहाड़े एक ज्वेलर की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मामा और राहगीरों ने दौड़ाया तो ज्वेलर को नहर में फेंक कर

बदमाश भाग गए। लोगों ने दौड़ाकर एक हमलावर को पकड़ लिया। पिटाई के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, दोपहर 3 बजे के करीब परिजन प्रयागराज-फैजाबाद हाईवे पर पहुंचे। यहां ग्रामीणों के साथ जाम लगा दिया। इस दौरान पुलिस उनको समझाने का प्रयास कर रही है। लेकिन वो नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक सारे आरोपी नहीं पकड़े जाएंगे, हम शांति से नहीं बैठेंगे। वारदात शहर से 30 किमी दूर मऊआइमा थाना के हरखपुर की है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे रुपए के लेन-देन का विवाद सामने आ रहा है। मऊआइमा इलाके में सोनार अमन सोनी की हत्या के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी देवदत्त पटेल को भी देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिवम पटेल पहले ही पकड़ लिया गया था। हत्या के मुख्य आरोपी प्रेम पटेल की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों को लगाया गया है। शिवम पटेल और देवदत्त से पुलिस अधिकारियों ने लंबी पूछताछ की। दोनों के बयान से साफ नहीं हो सका कि हत्या की मेन वजह क्या है। हालांकि, इस केस में गहने चोरी होने, उसी की बकाया रकम को लेकर विवाद था। शिवम और देवदत्त ने पुलिस को बताया कि प्रेम पटेल ने उनसे यहीं कहा था कि अमन से लेनदेन का मामला है, उसे बुलाया है। यदि वो नहीं आता तो हरखपुर उससे मिलनेचलेंगे। चाकू से गोद कर हत्या करने और नहर में फेंक देने के इस मामले में अब तक यही साफ हुआ है कि मारे गए अमन सोनी और प्रेम पटेल के बीच कुछ विवाद था।एक बात यह भी सामने आई कि कुछ माह पहले अमन सोनी की दुकान से एक बैग चोरी हुआ था। इसका आरोप प्रेम पटेल पर लगा था। तब कहा गया था कि उसमें 45 हजार के गहने थे। प्रेम पटेल ने 15 हजार रुपये दे दिए थे, जबकि 39 हजार रुपये बकाए थे। यही रुपये के लिए प्रेम और अमन के बीच विवाद चल रहा था। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अमन और प्रेम के बीच विवाद की जड़ दूसरे लोगों से ही सामने आई है। असल वजह उसके पकड़े जाने के बाद ही पता चलेगी। बहादुरपुर होलागढ़ में अजय कुमार सोनी रहते हैं। उनका बेटा अमन सोनी (25) मऊआइमा थाने के कंचनपुर गांव में मकान बनवाया था। इसी मकान में रहकर वह ज्वेलर्स का काम करता था। अमन की अभी शादी नहीं हुई थी। मां-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन नेहा है। पुलिस के मुताबिक, पकड़ा गया बदमाश शिवम पटेल है। उसने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे बालाडीह गांव के रहने वाले प्रेम पटेल ने अमन सोनी को फोन कर बुलाया। कहा कि गहनों का ऑर्डर देना है। अमन बाइक से प्रेम से मिलने पहुंचा। तभी हमने अमन पर हमला कर दिया। अमन के मामा अनिल कुमार सोनी ने बताया- मैं बालाडीह गांव से गुजर रहा था। हरखपुर शारदा सहायक नहर के पास देखा कि 3-4 लोग भांजे अमन सोनी पर चाकू से हमला कर रहे थे। मुझे देखते ही उन लोगों ने हत्या कर भांजे को नहर में फेंक दिया। हत्या करने वालों में प्रेम पटेल, शिवम पटेल और देवदत्त पटेल शामिल थे। तीनों ने मिलकर अमन की चाकू से गला रेत कर हत्या की है। मुझे देखते ही तीनों हमलावर बाइक से भागने लगे। लेकिन, शिवम पटेल बाइक पर नहीं बैठ पाया। उसे लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया।पिटाई के बाद शिवम पटेल को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि मुख्य आरोपी प्रेम पटेल है, जिसके कहने पर उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने शव को नहर से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मऊआइमा थाना प्रभारी पंकज अवस्थी ने बताया- एक आरोपी पकड़ा गया है। पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। रुपए के लेन-देन का मामला सामने आ रहा है।

फर्जी आईडी तैयार कर पूजा पाल को दी धमकी, सपा नेता सोशल मीडिया पर कर रहे दावा- उमेश यादव के नाम पर विवेक सिंह का खेल

प्रयागराज। सपा की निष्कासित विधायक पूजा पाल पर अभद्र टिप्पणी करने, सोशल मीडिया पर ट्रोल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नाराज पूजा पाल ने कर्नलगंज थाने में

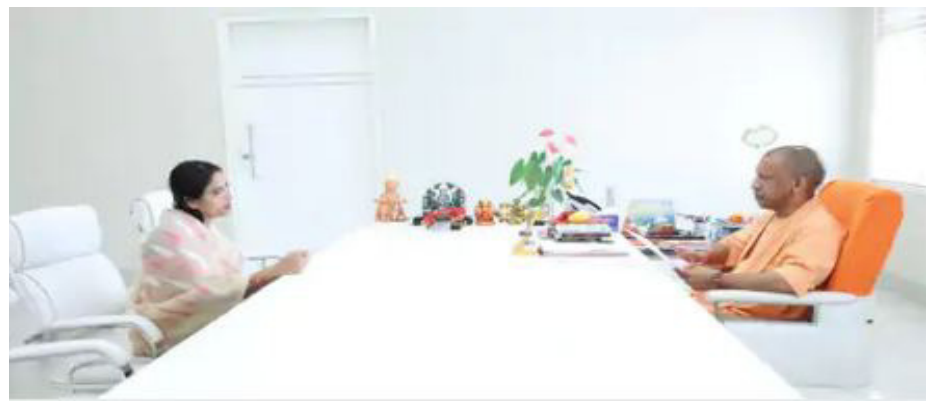

उमेश यादव नामक शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ा रही है। हालांकि अब तक की जांच से जो कहानी सामने आ रही वह अजीब है। पूजा पाल ने जिस उमेश यादव पर केस दर्ज कराया है, वह फेसबुक आईडी के मुताबिक है। जबकि जांच में कहा जा रहा है कि उमेश यादव की आईडी फर्जी बनाई गई। विवेक सिंह ने यह कारनामा किया। विवेक ने उमेश यादव की फर्जी आईडी तैयार कर पूजा पाल पर अभद्र, अश्लील कमेंट्स किए ताकि जाति विशेष को लेकर हंगामा खड़ा हो। हालांकि अब तक साफ नहीं है कि पूजा पाल को धमकी, अभद्र टिप्पणी करने वाला कौन है। अभी तक आईडी की जांच हो रही है, इसी में कहानी कुछ और नजर आ रही है। पुलिस अधिकारी इस मामले पर बोलने को तैयार नहीं लेकिन सपा नेता इसे लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय है। उनका कहना है कि उमेश यादव की प्रोफाइल विवेक सिंह ने तैयार कर इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। जानिये क्या रहा है मामला- सपा से बर्खास्त विधायक पूजा पाल पर टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ प्रयागराज में एफआईआर दर्ज हुई है। शनिवार को विधायक की तरफ से उनके वकील ने कर्नलगंज थाने में शिकायत दी.कहा- उमेश यादव नाम के शख्स ने ओछी लोकप्रियता के लिए महिला विधायक पर टिप्पणी की। उसके शब्दों से पाल, बघेल, धनगर, गडेरिया और चरवाहा समाज को भी ठेस पहुंची हैं। हम आहत हैं। 14 अगस्त को योगी की तारीफ करने पर सपा ने पूजा पाल को पार्टी से निकाल दिया था। इस पर पूजा पाल ने एक्स पर लिखा- मुझे इलेक्शन की सीट की फिक्र नहीं है। मुझे मेरे पति के हत्यारों का टिकट जहन्नुम के लिए कटने की खुशी है। पूजा के इस ट्वीट पर उमेश यादव नाम के एक्स अकाउंट से लिखा गया- जय हो, आपको ईश्वर सीधा बैकुंठ प्रदान करें। इधर, शनिवार को पूजा पाल ने लखनऊ में सीएम योगी से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- मैं फिर से सीएम का धन्यवाद करती हूं। उनके नेतृत्व में गुंडों-माफिया को उनके उचित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है, जो कि अत्यंत आवश्यक है।पूजा पाल ने 14 अगस्त को विधानसभा सत्र के दौरान योगी की तारीफ की थी। कहा था- मैंने अपना पति खोया है। सब जानते हैं कि मेरे पति की हत्या कैसे हुई और किसने की? मैं सीएम को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिलाया। मेरी बात तब सुनी, जब किसी ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और अपराधियों को दंड दिया। जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर अतीक अहमद जैसे अपराधियों को मिट्टी में मिलाया है। मैं उनके जीरो टॉलरेंस का समर्थन करती हूं। पूजा की इस स्पीच के करीब 8 घंटे बाद अखिलेश ने उनको पार्टी से निकालने का आदेश जारी कर दिया। सपा से निकाले जाने के बाद पूजा पाल ने कहा था- मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का। मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया। मैंने तो सिर्फ सीएम योगी को धन्यवाद दिया था। इसमें मैंने कोई अपराध नहीं किया। भाजपा जॉइन करने पर कहा- अभी मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है। विधायक पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं। 2005 में राजू पाल की हत्या अतीक अहमद ने की थी। सपा ने कहा था- पूजा पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थीं- सपा ने कहा- पूजा पाल ने लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियां कीं। चेतावनी देने के बावजूद उन्होंने इन्हें बंद नहीं किया। इससे पार्टी को नुकसान हुआ। उनका आचरण पार्टी हितों के खिलाफ है।इसी कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से सपा से निष्कासित किया जाता है।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटरः एक सफलता की कहानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्थापनाः 2004- साल 2004 में नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर (Naini Industrial Training Centre) की स्थापना एक महत्वपूर्ण उद्देश्य के साथ की गई- युवाओं को तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना। इस केंद्र ने शुरुआत से ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पर जोर दिया और समय के साथ अपनी पहचान एक अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित की। 2008ः राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (NCVT) से मान्यता- COPA ट्रेड साल. 2008 में संस्थान को नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (NCVT) से COPA (Computer Operator and Programming Assistant) ट्रेड के लिए मान्यता प्राप्त हुई। यह मान्यता संस्थान की गुणवत्ता और प्रशिक्षण क्षमता का प्रमाण थी। 2010ः राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) - तकनीकी इनक्यूबेशन केंद्र के रूप में मान्यता- साल 2010 में संस्थान को नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज़ कॉर्पोरेशन (NSIC) द्वारा तकनीकी इनक्यूबेशन केंद्र के रूप में चुना गया। इसके अंतर्गत विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन शुरू हुआ, जिससे युवाओं को उद्यमिता और तकनीकी दक्षता प्राप्त करने में सहायता मिली। 2012ः NCVT से फिटर ट्रेड के लिए मान्यता- 2012 में संस्थान को एक और बड़ी सफलता मिली जब फिटर (Fitter) ट्रेड के लिए एनऊ से मान्यता प्राप्त हुई। इससे प्रशिक्षार्थियों को और अधिक तकनीकी विकल्प उपलब्ध हुए। 2013ः राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS) द्वारा मान्यता प्राप्त व्यावसायिक संस्थान- 2013 में NIOS द्वारा संस्थान को एक मान्यता प्राप्त व्यावसायिक केंद्र घोषित किया गया। इस पहल ने शिक्षा से वंचित छात्रों के लिए तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के नए द्वार खोले। 2014ः मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (MES) के लिए अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र- 2014 में संस्थान को सैन्य इंजीनियरिंग सेवाओं (Military Engineering Services) के लिए एक अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्वीकृति मिली। यह उपलब्धि संस्थान की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को दर्शाती है। 2015ः राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) द्वारा कंप्यूटर शिक्षा के लिए मान्यता- 2015 में संस्थान को NIELIT द्वारा कंप्यूटर शिक्षा के लिए अधिकृत किया गया, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध हो सका। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान (MSME DI) द्वारा अधिकृत अध्ययन केंद्र- इसके अतिरिक्त, संस्थान को MSME विकास संस्थान द्वारा भी अधिकृत अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिससे उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है। निष्कर्षः- Naini Industrial Training Centre ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक न सिर्फ कई राष्ट्रीय स्तर की मान्यताएँ प्राप्त की हैं, बल्कि हजारों युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाया है। इसकी सफलता की कहानी उन सभी के लिए प्रेरणा है जो तकनीकी शिक्षा के माध्यम से देश के विकास में योगदान देना चाहते हैं।

कुमारी 'निशु सिंह' एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग कंट्रोल उत्तर प्रदेश पुलिस से विशेष बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बातचीत कीः रचना त्रिवेदी,

रचना त्रिवेदी चैनल हेड आधुनिक समाचार

चैनल हेड, आधुनिक समाचार विषयः एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की भूमिका, अनुभव और महिला सशक्तिकरण।

प्रश्न 1ः निशु जी, आप उत्तर प्रदेश पुलिस के एक बेहद संवेदनशील विभाग से जुड़ी हैं - एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट। आपका इस यूनिट में आने का सफर कैसा रहा?

उत्तरः-धन्यवाद। मेरा सफर एक आम लड़की की तरह शुरू हुआ, लेकिन पुलिस में आने की प्रेरणा मुझे अपने पिता से मिली, जो हमेशा चाहते थे कि मैं समाज के लिए कुछ करूं। जब मुझे इस यूनिट में तैनाती मिली, तो मुझे समझ आया कि यह सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक मिशन है - उन लोगों की मदद करना जो सबसे ज़्यादा असहाय स्थिति में होते हैं।**प्रश्न 2ः एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट में काम करना मानसिक और भावनात्मक रूप से कितना चुनौतीपूर्ण होता है?** उत्तरः-बहुत ज्यादा। यहाँ हमें मासूम बच्चियों, महिलाओं और कभी-कभी बच्चों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार को सामने लाना होता है। ऐसे मामलों में हमें संवेदनशीलता के साथ सख्ती दिखानी होती है। लेकिन जब किसी को नया जीवन मिलते देखती हूँ, तो सारे तनाव भूल जाती हूँ।**प्रश्न 3ः अभी तक का कोई ऐसा केस जो आपके दिल को छू गया हो?** उत्तरः-एक 14 साल की लड़की को पश्चिम बंगाल से प्रयागराज लाया गया था, जबरन शादी और फिर वेश्यावृत्ति में धकेला गया। हमने उसे एक गुप्त सूचना के आधार पर रेस्क्यू किया। उस बच्ची ने रोते हुए कहा - दीदी, आप ना आतीं तो मैं मर जाती। वो पल मेरे लिए कभी न भूलने वाला है।**प्रश्न 4ः इस यूनिट में महिला पुलिसकर्मियों की क्या खास भूमिका होती है?** उत्तरः-महिला पीड़ितों को सबसे पहले भरोसे की जरूरत होती है। एक महिला पुलिसकर्मी का होना उन्हें भावनात्मक संबल देता है। हम न केवल सुरक्षा देते हैं, बल्कि काउंसलिंग से लेकर पुनर्वास तक उनकी मदद करते हैं।**प्रश्न 5ः महिला सशक्तिकरण पर आपका क्या संदेश है?** उत्तरः-सशक्तिकरण केवल अधिकारों की बात नहीं है, यह आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना है। हर लड़की को ये जानने का हक है कि वह कमजोर नहीं है। जब महिलाएं अपने हक़ को जानेंगी, तभी समाज में असली बदलाव आएगा।**प्रश्न 6ः युवाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगी, खासकर उन लड़कियों को जो पुलिस सेवा में आना चाहती हैं?** उत्तरः- डरिए मत। अगर आपमें जुनून है, तो कोई भी फील्ड मुश्किल नहीं। पुलिस सेवा में आने से आप ना सिर्फ खुद को सशक्त करती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक मिसाल बनती हैं।**प्रश्न 7ः क्या आप समझती हैं कि समाज में मानव तस्करी को जड़ से मिटाया जा सकता है?** उत्तरः-जी हाँ, लेकिन इसके लिए सिर्फ पुलिस नहीं, समाज के हर वर्ग को जागरूक होना पड़ेगा। स्कूल, पंचायतें, मीडिया - सबको मिलकर काम करना होगा। तभी हम इस बुराई को खत्म कर सकते हैं।**रचना त्रिवेदीः निशु जी, आपके कार्य और साहस को हमारा सलाम। आपने जो योगदान दिया है, वह असाधारण है।**निशु सिंहः बहुत-बहुत धन्यवाद। ये मेरी ड्यूटी है और जब तक शक्ति है, सेवा करती रहूंगी।

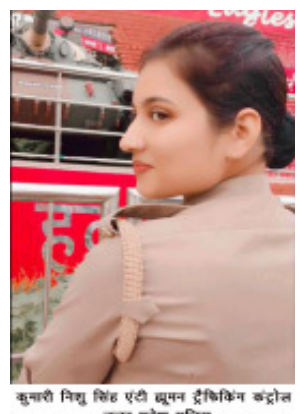

कुमारी निशु सिंह एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग कंट्रोल उत्तर प्रदेश पुलिस

प्रयागराज में जगह-जगह हर्षोउल्लास के साथ लोगो ने अपने पारम्परिक तरीके से मनाया जन्माष्टमी।PICः- 'अजय गुप्ता'

प्रयागराज में रामलीला कलाकार का निधन,50 साल तक ताड़का, सूनैना, कैकेई का किरदार निभाया, कीर्तन और बिरहा भी गाते थे

प्रयागराज। नैनी स्थित तिगनौता के निवासी और प्रसिद्ध

रामलीला कलाकार दुखी लाल शर्मा का शनिवार शाम निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रविवार को महेवा में किया गया। दुखी लाल डांडी और तिगनौता क्षेत्र में अपने अभिनय और सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे। वह तिगनौता में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। रामलीला और जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण लीला मंचन में उनका अभिनय दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आता था। उनके बड़े बेटे बसंत लाल शर्मा के अनुसार, दुखी लाल ने बचपन से ही रामलीला में अभिनय करना शुरू कर दिया था। मास्टर छोटे लाल यादव, गया प्रसाद और राम नारायण के मार्गदर्शन में उन्होंने कई दशकों तक कला का प्रदर्शन किया। वह ताड़का, सुनैना, कैकेई, सुपर्णखा और लंकिनी जैसे किरदारों को बेहतरीन ढंग से निभाते थे। लगभग 25 वर्ष पहले कुछ कारणों से उन्होंने रामलीला मंडली से दूरी बना ली थी। हालांकि, कुछ समय बाद वह फिर से सक्रिय हो गए। अभिनय के अलावा वह कीर्तन, बिरहा और बेलवरिया गायन में भी माहिर थे। रविवार को उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्ट्रीट डॉग के समर्थन में लोगों का प्रदर्शन,कहा- बेजुबानों को इंसाफ दो, सारे डॉग्स खतरनाक नहीं होतें

प्रयागराज। स्ट्रीट डॉग के समर्थन में सामाजिक संगठन 'रक्षा' नें प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का उद्देश्य बेजुबान जानवरों की सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश देना था। यह प्रदर्शन शाम 4 बजे प्रयागराज के प्रमुख सुभाष चौराहे से शुरू हुआ, जहां शहर के विभिन्न हिस्सों से आए पशु प्रेमी (एनिमल लवर्स) इकट्ठा हुए। रैली की शक्ल में शुरू हुआ यह प्रदर्शन सुभाष चौराहे से निकल कर धरना स्थल तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। सभी के हाथों में बैनर, पोस्टर और प्लेकार्ड थे जिन पर 'बेजुबानों को इंसाफ दो', 'कुत्ते भी इस धरती के निवासी हैं', और 'हर कुत्ता खतरनाक नहीं होता' जैसे संदेश लिखे थे।रक्षा एनजीओ की संचालिका वंशिका गुप्ता ने प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'हम लोग आज यहाँ इसलिए इकट्ठा हुए हैं क्योंकि इन बेजुबान जानवरों के खिलाफ जो मुहिम चलाई जा रही है, वो न केवल अमानवीय है बल्कि कानून और नैतिकता के भी खिलाफ है। सभी कुत्ते न तो काटते हैं और न ही हर कुत्ते को रैबीज होता है। बहुत से कुत्ते वैक्सीनेटेड होते हैं और कई की नसबंदी भी हो चुकी है। ऐसे में वे समाज के लिए किसी भी प्रकार का खतरा नहीं हैं, जब तक कि उन्हें छेड़ा न जाए।' वंशिका ने आगे कहा, 'हमारी केवल इतनी सी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला सुनाए, वह इन बेजुबानों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हो। हमें पूरी उम्मीद है कि कोर्ट इंसाफ और करुणा की भावना के साथ इन जानवरों के पक्ष में निर्णय देगा।' यह प्रदर्शन न केवल प्रयागराज बल्कि पूरे देश में चल रहे ऐसे ही मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास था। यह दिखाता है कि समाज का एक वर्ग इन बेजुबान जीवों के लिए गंभीर रूप से चिंतित है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सामने आ रहा है।

आधुनिक समाचारः एक यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आधुनिक समाचार ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबी यात्रा तय की है। इस यात्रा में, इसने विभिन्न मील के पत्थर पार किए हैं और अपने पाठकों को समाचार और जानकारी प्रदान करने के नए तरीके खोजे हैं। साप्ताहिक संस्करण (2012)- स्थापनाः आधुनिक समाचार ने अपनी यात्रा 2012 में साप्ताहिक संस्करण के साथ शुरू की। उद्देश्यः इसका उद्देश्य पाठकों को साप्ताहिक समाचार और विश्लेषण प्रदान करना था।विशेषताएंः- इसमें विभिन्न विषयों पर लेख और विश्लेषण प्रकाशित किए जाते थे, जैसे कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज, और संस्कृति।दैनिक संस्करण (2015)- विस्तारः 2015 में, आधुनिक समाचार ने अपने दैनिक संस्करण की शुरुआत की। उद्देश्यः इसका उद्देश्य पाठकों को दैनिक समाचार और अपडेट प्रदान करना था। विशेषताएंः इसमें दैनिक समाचार, राजनीति, खेल, मनोरंजन, और अन्य विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं। चैनल (2019)- नया माध्यमः 2019 में, आधुनिक समाचार ने अपने टेलीविजन चैनल की शुरुआत की। उद्देश्यः इसका उद्देश्य पाठकों को

समाचार और जानकारी प्रदान करने के लिए एक नए माध्यम का उपयोग करना था। विशेषताएंः इसमें समाचार बुलेटिन, चर्चा, और विश्लेषण कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।वेबसाइट (2022)- डिजिटल उपस्थितिः 2022 में, आधुनिक समाचार ने अपनी वेबसाइट की शुरुआत की। उद्देश्यः- इसका उद्देश्य पाठकों को ऑनलाइन समाचार और जानकारी प्रदान करना था। विशेषताएंः इसमें समाचार लेख, वीडियो, और अन्य ऑनलाइन सामग्री प्रकाशित की जाती है। सोशल मीडिया (2023)- सोशल मीडिया उपस्थितिः 2023 में, आधुनिक समाचार ने अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति को मजबूत किया। उद्देश्यः इसका उद्देश्य पाठकों को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर समाचार और जानकारी प्रदान करना था। विशेषताएंः इसमें समाचार अपडेट, वीडियो, और अन्य सोशल मीडिया सामग्री प्रकाशित की जाती है। Trademark Registered - (2025) Deepe Aadhunik Samachar की पूरी टीम के लिए गर्व और उत्साह का दिन है! करीब 1.5 साल पहले, हमने Modern Journalism को एक पहचान देने की दिशा में कदम बढ़ाया था। हमने Government of India में 'Aadhunik Samachar' को एक ब्रांड के रूप में मान्यता दिलाने और ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया था। इस पूरे सफर में हमारे साथ खड़े रहे सभी साथियों को दिल से धन्यवाद खास तौर पर हमारी टीम के ही एक पत्रकार साथी, जो कि पेशे से Advocate भी हैं – उन्होंने इस कानूनी प्रक्रिया में जी-जान से मेहनत की। आज उन्हीं की मेहनत और हमारी टीम की एकजुटता के चलते, IP Office, Government of India ने हमारे ट्रेडमार्क को Published कर दिया है। अब हम जल्द ही एक Registered Trademark बन जाएंगे! यह सिर्फ एक कानूनी मान्यता नहीं है, बल्कि हमारी सोच, मेहनत और मिशन की जीत है। AadhunikSamachar का नाम अब और मजबूती से गूंजेगा! निष्कर्षः- आधुनिक समाचार ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबी यात्रा तय की है। इसने विभिन्न मील के पत्थर पार किए हैं और अपने पाठकों को समाचार और जानकारी प्रदान करने के नए तरीके खोजे हैं। आज, आधुनिक समाचार एक प्रमुख समाचार संगठन है जो विभिन्न माध्यमों के माध्यम से अपने पाठकों को समाचार और जानकारी प्रदान करता है।

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट परिसर

में ध्वजारोहण किया। इस पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए सैकड़ो की संख्या में जनपदवासी, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिसके बाद जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि इसे बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए सभी लोगों को मिलकर कार्य करना है, यह हम सब का दायित्व है जनता के कल्याण के लिए जिला प्रशासन हमेशा तत्पर रहेगा। जिलाधिकारी ने राजस्व कर्मी नीरज श्रीवास्तव को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर 1968 के बाद जनपद की पहली जिलाधिकारी है जिन्होंने कलेक्ट्रेट में दूसरी बार झंडारोहण किया है। इस अवसर पर समाजसेवी शैलेंद्र अग्निहोत्री और राजेश ने जिला अधिकारी को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। वरिष्ठ कोषधिकारी भावना श्रीवास्तव ने देशभक्ति गीत भी सुनाया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्र सिद्धार्थ, अपर जिला अधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विशाल यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा, उपजिलाधिकारी न्यायिक अभिषेक वर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

बिजली कनेक्शन न मिलने से कॉलोनी के लोग हुए आक्रोशित, बिजली विभाग के विरुद्ध कॉलोनी के लोगों ने की पंचायत, पहुँचे किसान नेता सुखवीर खलीफा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारत गणराज्य की राजधानी दिल्ली से सटी हाइटेक

सिटी नोएडा जिसे ओद्योगिक क्षेत्र मैं एशिया का नंबर वन कहा जाता हैं। जहाँ पर आज भी लोग अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ऐसा ही मामला नोएडा के सेक्टर -115 स्थित डूब क्षेत्र के वेद कॉलोनी का हैं जहाँ सेकड़ों की संख्या मैं परिवार अपने आशियाना बनाकर रह रहे हैं जहाँ सरकार द्वारा उनकी भूमि की रजिस्ट्री तो की गई लेकिन उनकी मूलभूत सुविधाएं बिजली व पानी से बंचित रखा गया हैं। जिससे परेशान कॉलोनी के निवासियों ने बिजली विभाग के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया हैं और सेकड़ों की संख्या मैं एकत्रित होकर पंचायत की। जिसमें भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा पहुँचे।और वहाँ के निवासियों से रूबरू होकर उनकी समस्याओ को सुन समाधान कराने का अस्वासन दिया। आपको बता दें कि नोएडा के सेक्टर -115 अंतर्गत आने वाले डूब क्षेत्र के वेद एंकलेब मैं सेकड़ों परिवार अपने खून पसीने की गाडी कमाई से अपने सपनों का आशियाना बनाकर अपने परिवार के साथ निवास कर रहे हैं। लेकिन जिन लोगों ने अपने मतों का प्रयोग कर स्थानीय सांसद और विधायक चुन सरकार बनाने मैं अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और उसी सरकार ने इन निवासियों को अछूता रख इन्हें इनकी मूलभूत सुविधाएं से बंचित रखा जिसकी मांगों को लेकर यहाँ के सेकड़ों निवासी जिसमें महिलाये और बच्चे भी शामिल थे एकत्रित होकर अखिल भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा की अगुवाई मैं पंचायत की। कॉलोनी निवासियों का आरोप हैं कि सरकार ने हम किसानों की जमीन अधिकृत की। प्लॉट की रजिस्ट्री की। हम लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर यहाँ के स्थानीय सांसद और विधायक को चुन सरकार मैं बनाने मैं अपनी भागीदारी इस आशा के साथ सुनिश्चित की कि सरकार अपने हमारी मूलभूत सुविधाएं देगी लेकिन हम लोगों को वर्तमान सरकार द्वारा बिजली पानी जैसी मुलभुत सुविधाओं से बंचित रखा जा रहा हैं जिसके लिए हम लोगों ने क्षेत्रीय सांसद व विधायक के समक्ष अपनी समस्याए रखी लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ जिसके विरोध मैं आज हम लोगों ने पंचायत रखी हैं। वही पंचायत मैं पहुँचे अखिल भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने बताया कि जब सरकार ने इनके प्लाटों की रजिस्ट्री की। इन्हें अपने सपनों का आशियाना बनाने दिया। इन्हें अपने मतों का प्रयोग करने का अधिकार दिया। तो इन्हें इनकी मूलभूत सुवधाओं जैसे बिजली पानी से बंचित क्यों रखा जा रहा हैं जिसका भारतीय किसान परिषद विरोध करती हैं और सरकार से माँग करती हैं कि यदि इन्हें इनकी बिजली पानी जैसी समस्याओ का समाधान नहीं होता हैं तो अखिल भारतीय किसान परिषद की यह पंचायत आंदोलन का रूप ले लेगी। और यह आंदोलन जब तक चलता रहेगा जब तक कॉलोनी के निवासिओं को बिजली जैसी विकट समस्या से निजात नहीं मिल जाती।

'जल है तो कल हैः युवा शक्ति का कालिंदी कुंज घाट पर स्वच्छता संदेश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। 'स्वच्छ यमुना मिशन' के अंतर्गत युवा शक्तिः वाई एस एस फाउंडेशन द्वारा कालिंदी कुंज घाट पर एक विशेष स्वच्छता एवं

जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार एवं उनकी टीम के युवा साथियों ने किया। युवा शक्ति ने अब तक 230 से अधिक स्वच्छता एवं जागरूकता अभियानों का सफलतापूर्वक संचालन किया हैं, जिनके माध्यम से हज़ारों लोगों को नदी संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता से जोड़ा गया है। इस अवसर पर युवाओं ने घाट पर फैली गंदगी को साफ किया और उपस्थित स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं को यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार ने कहा कि - 'यमुना केवल एक नदी नहीं है बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर है। इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जब तक आम जन इस अभियान से जुड़कर सहयोग नहीं करेंगे, तब तक इसका लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता।' युवा शक्ति के साथियों ने संकल्प लिया कि वे निरंतर इस प्रकार के अभियान चलाकर समाज में जल संरक्षण, नदी स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूकता फैलाते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने 'जल है तो कल है' का नारा लगाते हुए संदेश दिया कि यदि आज हम जल स्रोतों को बचाने और स्वच्छ रखने का संकल्प नहीं लेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका गंभीर दुष्परिणाम भुगतना पड़ेगा। यह अभियान यमुना नदी के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे स्वच्छ यमुना मिशन का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे की गूंज,मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के योग और देशभक्ति के सुरों संग मना,भारत माता की सेवा ही सच्चा राष्ट्रधर्म–डा. राजेश शुक्ला

ध्वजारोहण, जयकारों, योगाभ्यास और तिरंगा वितरण से शहीद स्मारक परिसर में छाया देशभक्ति का ज्वार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई परिवार ने शुक्रवार को शहीद स्मारक स्थल पर 79वां स्वतंत्रता दिवस श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया। अध्यात्म प्रेरित सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रातःकाल नित्य योगाभ्यास के उपरांत भव्य ध्वजारोहण समारोह हुआ, जहां भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के गगनभेदी उद्घोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। मुख्य अतिथि डलमऊ बड़ा मठ के ट्रस्टी एवं प्रख्यात चिकित्सक डा. राजेश शुक्ला ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान का नेतृत्व किया।डा. राजेश शुक्ला का बयान स्वतंत्रता केवल ध्वज फहराने का पर्व नहीं, यह हर नागरिक के लिए राष्ट्रसेवा का पवित्र अवसर है। भारत माता की सेवा, जरूरतमंदों का सहारा और समाज में एकता बनाए रखना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर स्वतंत्रता के सही मायने जीने होंगे। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी उत्तम शुक्ला ने भारत माता की पूजा कर अपने विचार साझा किए। इकाई संयोजक प्रदीप पांडेय ने ध्वजारोहण और फल वितरण का संचालन किया। योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता और राज अग्रहरि ने साधकों को योगाभ्यास कराया, जबकि अनूप गुप्ता ने देशभक्ति गीतों से सभी को भावविभोर कर दिया। समारोह में इकाई के साधकों ने राजेंद्र प्रताप शर्मा का जन्मोत्सव बहुत आध्यात्मिक, सादगी और आध्यात्मिकता के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठ नागरिक रामानुज मिश्रा ने योग साधकों के घरों पर लगाने के लिए बड़े आकार के तिरंगे वितरित किए, जिससे पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल और प्रबल हो उठा। समारोह में इकाई के जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ नागरिक रामराज गिरी, सेवा निवृत्त उपनिरीक्षक देवेंद्र नाथ मिश्रा, राकेश यादव, अजय पाल सिंह एडवोकेट, देवता दीन यादव, कल्लू राम अग्रहरि, दिनेश मिश्रा, अतुल पांडेय, सचिन अग्रहरि, प्रकाश अग्रहरि, इकाई के मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे।

योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से मिलता है आत्मबल - शिवशंकर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सिद्धि कला बीथिका (राष्ट्रीय कला केन्द्र) का वार्षिकोत्सव एवं 39वाँ श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव का भव्य शुभारम्भ होटल ग्रीन व्यू एवं संस्था मुख्यालय स्वराज नगर में संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर रायबरेली की उभरती हुई मशहूर गायिका दृष्टि पाण्डेय एवं ग्रुप द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किया गया। ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन, वो तो गली-गली हरि गुण गाने लगी..के साथ भजन संध्या का आगाज किया। तबले पर संगत योगेश मिश्रा, ढोलक पर वैभव मिश्रा, अरूणव चौहान, कोरस दीक्षांत पाण्डेय, मंजीरा पर अंजलि श्रीवास्तव, मरकत पर रोहित राजपूत ने संगत की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे वरिष्ठ समाजसेवी आर.बी. वैश्य ने कहा कि शहीद स्मारक मुंशीगंज

के विकास में जनपद रायबरेली के गौरव चित्रकार शिवशंकर शर्मा की अहम भूमिका रही और श्री माता वैष्णो देवी दरबार में अपनी कला सेवाएँ देकर इन्होनें जनपद का नाम रोशन किया। इस अवसर पर सिद्धि कला बीथिका राष्ट्रीय कला केन्द्र के महासचिव चित्रकार शिवशंकर शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा जनपद रायबरेली साहित्य-कला-संस्कृति का राष्ट्रीय संगम है। यहाँ से निकली प्रतिभाएँ सम्पूर्ण भारत में रायबरेली का नाम रोशन कर रही है, जनपद के ही आई.ए.एस. अधिकारी सचिन कुमार वैश्य, नवनियुक्त सी.ई.ओ. श्री माता वैष्णो देवी स्थापना बोर्ड कटरा को बधाई देते हुए कहा कि वह रायबरेली का नाम सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर में रोशन कर रहे हैं और हमें भी उनके मार्गदर्शन में सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। सभी कलाकारों को पुरस्कार, प्रतीक चिन्ह एवं माता के दरबार का अंगवस्त्र श्री शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। मध्यरात्रि में योगेश्वर महाप्रभु भगवान श्री कृष्ण की महाआरती (प्राकट्य उत्सव) शिवशंकर शर्मा द्वारा की गई, मुख्य झांकी थर्माकोल की सहायता से श्री कृष्ण जन्म भवन आर्टिस्ट कृष्णा बिहारी, प्रेमशंकर व जयशंकर द्वारा तैयार किया गया। इस महोत्सव का समापन एवं छठी समारोह आगामी 21 अगस्त बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा तथा जनपद के प्रसिद्ध कलाकार पीयूष चावला एवं ग्रुप द्वारा भगवान की रासलीला का मंचन होगा। महोत्सव में डा0 ब्रजेश शुक्ला, श्रीमती सुषमा शुक्ला, अनिल कुमार दीक्षित, हरिशंकर शर्मा, हरिश्चन्द्र त्रिपाठी, शिशिर श्रीवास्तव, ओमशंकर, पूनम सोनी, पंकज मिश्रा, महेन्द्र अग्रवाल, रामहर्ष, मुनीष गुप्ता, रामशंकर, कृष्णा, राज, रामसमुझ आदि का सहयोग सराहनीय रहा। बच्चों की झांकी में कृष्णा, परी, काव्या, ओमी, आराध्या ने भगवान का स्वरूप धारण किया था।

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक में उद्यान मंत्री ने किया ध्वजारोहण,शहीदों को श्रद्धांजलि देकर स्वतंत्रता के लिए उनके बलिदान को याद कर किया गया नमन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता - दिनेश

प्रताप सिंह मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात विभाग उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक स्थल मुंशीगंज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर ध्वजारोहण कर शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर शहीदों को नमन किया, इसके पश्चात वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक, देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति दी गई, इसके पश्चात स्वतंत्रता/लोकतंत्र सेनानी आश्रित पारिवारिक जनों के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया तथा उनके प्रतिनिधियों का उद्बोधन हुआ। लखनऊ में आयोजित मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया तथा उद्बोधन को सुना गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सभी लोग इस ऐतिहासिक स्थल पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एकत्रित हुए हैं यह एक महत्वपूर्ण क्षण है शहीदों को श्रद्धांजलि देने और देश की स्वतंत्रता के लिए उनके बलिदान को याद कर नमन करने के लिए, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह स्मारक देश की आजादी की याद दिलाता है और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करता है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि देश के यशस्वी मा0 प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ाया, इसके साथ ही विकास के साथ विरासत को भी आगे बढ़ाया। इसी प्रकार जनपद रायबरेली में भी शहीद स्मारक ऐतिहासिक स्थल है और हमें ऐसा प्रयास करना चाहिए जो शहीदों का सम्मान बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय भाव के साथ हमेशा खड़े होना चाहिए। मा0 प्रधानमंत्री जी व मा0 मुख्यमंत्री जी ने विरासत के साथ विकास को आगे बढ़ाया देश व प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। अंत में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मंच का संचालन एस0एस0 पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्रा सहित संबंधित अधिकारीगण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पारिवारिकजन, भूतपूर्व सैनिक, विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं व जनमानस उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस व वृक्षारोपण का कार्यक्रम महाविद्यालय ब्यौहारी में किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्योहारी। दिनांक 15/08/2025 को प्रातः 7:15 पर महाविद्यालय में ध्वजारोहण किया गया प्राचार्य डॉ

आर के तिवारी ने स्टाफ के उपस्थित में ध्वजारोहण कर तिरंगे के प्रति देश भक्ति का संदेश दिया इस अवसर पर उनके स्टाफ के डाक्टर मोती लाल वर्मा प्रोफेसर सुनिल सिंह श्री वंशबहादुर? सिंह श्री बी पी सोनी श्री पार्वती सोनी श्री नवल गुप्ता डॉ दुर्गा गुप्ता श्री सुधांशु सिंह परिहार श्री दुर्गेश कुमार कनछेदी लाल श्री अर्पित सिंह श्री रामचंद्र बैगा बुद्धसेन यादव सहित स्टाफ के साथ-साथ छात्र / छात्राएं उपस्थित रहे ध्वजारोहण के बाद विधिक सेवा ब्यौहारी द्वारा वृक्षारोपण किया गया औषधीय पौधे एवं फलीदार पौधों का रोपण किया गया, सिविल न्यायालय ब्यौहारी से पधारे माननीय श्री पुष्पेन्द्र सिंह सिसोधिया, श्रीमती रानू रिझारिया, माननीय श्री अश्वनी चतुर्वेदी एवं संस्था प्राचार्य एवं महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ साथ स्टाफ एवं छात्र/ छात्राएं उपस्थित रहे वन विभाग के द्वारा वृक्षा उपलब्ध कराये गये।

मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश के मंत्री ने पत्रकारों से की वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने आज शक्ति सदन गेस्ट हाउस, सेक्टर-38, नोएडा में पत्रकारों से वार्ता की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। डॉ. निषाद ने कहा कि प्रदेश सरकार मछुआ समाज एवं मत्स्य पालन से जुड़े लोगों के आर्थिक उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषाद राज बोट योजना, सघन मत्स्य पालन एरिएशन योजना, मोपेड आइस बॉक्स योजना, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना तथा ग्राम सभा तालाबों के पट्टे संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

सनातन धर्म मंदिर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर

19 में सुबह से ही भक्तों के दर्शन का ताता लगा हुआ है, भगवान श्री कृष्ण-राधाजी का अभिषेक पूजन करने के उपरांत राष्ट्र प्रेम और भक्ति भाव से परिपूर्ण तिरंगे के रंगो मे सजी नवीन पोशाक धारण कराई गई। पूरे कृष्ण दरबार को फूलों से बंगले की तरह सजाया गया है। लड्डू गोपाल जी के लिए चांदी के सुंदर झूले की व्यवस्था की गई है, जिसमें उन्हें झुलाया जाएगा। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों एवं सुंदर लाइटिंग से सजाया गया है। भक्तों के दर्शन हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं ताकि सभी श्रद्धालु सुचारू रूप से दर्शन कर सकें। सभी दरबारों में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना चल रही है। समिति के सभी सदस्य एवं सेवादार पूरी निष्ठा एवं तत्परता के साथ इस आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं।शाम को 5:00 बजे लड्डू गोपाल जी का अभिषेक के उपरांत उनको झूले में विराजमान कराया और भक्तों के दर्शन के लिए वेरिकेटिंग के माध्यम से सभी भक्त मंदिर में प्रवेश करेंगे । रात्रि को 12:00 लड्डू गोपाल जी का जन्म महोत्सव अभिषेक पूजन महाआरती, भोग प्रसाद लगाया जाएगा। सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा।स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा भी इस आयोजन में पूरी तरह से सहयोग किया जा रहा है भक्तों की सभी सुविधाओं को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरा सहयोग कर रही है वॉलिंटियर्स एवं सुरक्षा कर्मी भी पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं हम सभी भक्तों से अनुरोध करते हैं कि आप भगवान के दर्शन करने आए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार। इस शुभ अवसर पर सांसद गौतमबुद्ध नगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार डा. महेश शर्मा, विधायक नोएडा पंकज सिंह, संस्था के संरक्षक पीयूष द्विवेदी , के नवाब सिंह नागर, कैप्टन विकास गुप्ता, श्रीमती विमला बाथम, डा. टी.एन. गोविल, रामकुमार शर्मा, सुशील भारद्वाज, शुभकरण राणा, रमेश कुमार, अल्पेश गर्ग, चंद्रपाल सिंह, प्रमोद रंगा, वीरेश तिवारी व कई सेवादार एवं भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया और पूजा-अर्चना की।

रामनगर में आ.भा.व. यादव महासभा के तत्वाधान में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जैसे कि हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी आज 16/08/2025 दिन शनिवार रामनगर में आ.भा.व.यादव महासभा समूचे

मैहर जिला की ओर से बड़े ही धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और रंगारंग कार्यक्रम जिसमें मुख्य अतिथि हम सबके आराध्याय भगवान श्री कृष्ण जी रहे और विशिष्ट अतिथि मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, यादव समाज के वरिष्ठ समाजसेवी बी एल यादव निराला जी, वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट सी एल यादव,जिला पंचायत सदस्य पति संतोष यादव,वरिष्ठ समाजसेवी सुखलाल यादव,पार्षद सतना आदित्य यादव,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती तारा विजय पटेल,जिला पंचायत सदस्य हरिश्कांत त्रिपाठी,पूर्व जनपदसदस्य बाबूलाल यादव ड्राइवर संघ की प्रदेश अध्यक्ष संतोषी यादव उपस्थित रहे और साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह जिसमें सर्वप्रथम आर्मी में दुर्गेश यादव जो कि देवरा के है 18 वर्ष की उम्र में 85फीसदी लेकर आए है कक्षा 12वी वर्षा यादव खरमशेड़ा 91फीसदी, हर्ष यादव धोबहट 83फीसदी,शिवराज यादव जत्थहटोला 73फीसदी,बालकृष्ण यादव बाराखुर्द 65फीसदी,जयपाल यादव चपना64फीसदी, कक्षा 10वीं से पुष्पांजलि यादव खरमसेडा 91फीसदी, संदीप यादव जिगना 91फीसदी वृतिका यादव 83फीसदी शिवानी यादव जत्थहाटोला 82फीसदी मानसी यादव 81फीसदी इन सभी बच्चों को उचित इनाम देकर मनोबल बढ़ाया गया।कार्यक्रम में सहयोग रहा आ.भा.व.यादव महासभा के प्रदेश सचिव बालकृष्ण यादव,जिला अध्यक्ष रामबकश यादव,जिला महासचिव विनोद यादव,युवा जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव,रामकुमार यादव,दिनेश यादव,राजेंद्र यादव,विजय यादव,भगवानदीन यादव,दुर्गेश यादव,सुखेन्द्र यादव,लवकुश यादव,लालू यादव,अनिल यादव,महेन्द्र यादव, शिवा यादव आदि समूचे क्षेत्र की गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

बहुजन के नीतियों को आम जन तक पहुंचाने का काम करें कार्यकर्ताः बी सागर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक बी सागर जिलाध्यक्ष बसपा के अध्यक्षता में राबर्टसगंज नगर पालिका अंतर्गत होटल

डिजायर उरमौरा में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में गुड्डूराम साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल ,व डॉ रामावतार चौहान साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ ओपी मौर्य जिला प्रभारी रामविचार गौतम जिला प्रभारी , हीरालाल सायन साहब पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी सेकरार अहमद ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सबसे पहले एक मिशन है मिशन मूवमेंट आगे बढ़ाने के लिए समय-समय से जन्मे संतो गुरुओ महापुरुषों ने अपने जीवन को समर्पित कर दिया बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी अपने जीवन काल में शोषित वंचित समाज के लिए संघर्ष करते रहे बाबा साहब के अधूरे कारवां को पूरा करने के लिए बहुजन नायक मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब ने बहुजन समाज पार्टी का स्थापना कर आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनाने का काम किया और कारवां चलता रहा आगे बढ़ता रहा इस कारवां को रुकने नहीं देना है लेकिन राजनीतिक मास्टर चाबी जब तक बहुजनों के हाथ में नहीं आएगी तब तक सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर चलने वाली बहुजन समाज का मूवमेंट आगे नहीं बढ़ पाए इसलिए सर्व समाज के हित के लिए बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनाने की जरूरत है तभी सर्व समाज के लोगों को मान सम्मान स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। डा0 रामावतार चौहान ने कहा कि आज वर्तमान की सरकार दलित शोषित वंचित समाज के साथ दुर्व्यवहार करने का काम कर रही है इनको हर व्यवस्था से वंचित किया जा रहा है चारों तरफ भ्रष्टाचार अत्याचार और गरीब से गरीब व्यक्तियों का शोषण कर रही है कानून व्यवस्था ध्वस्त है ऐसी सरकारों को बने रहने का कोई अधिकार नही है बहुजन समाज के लोगों को जागना होगा। डा0 ओपी मौर्य साहब ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के सेक्टर से लेकर बुथ तक संगठन को मजबूती प्रदान करने की जरूरत है बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर सेक्टर को दुरुस्त करने के लिए अभियान चलाकर मजबूती प्रदान करना है तभी आने वाले समय में हम सभी लोगों को मिलकर बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनाएं ज़रूरत है। बसपा जिलाध्यक्ष बी सागर साहब ने कहा कि मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब के सपने को साकार करने के लिए जन-जन तक पहुंच कर बसपा सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख करना होगा और पुनः मिशनरी लोगों को साथ में लेकर बहन के सोशल इंजीनियरिंग को जन-जन तक पहुंचाना होगा तभी सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर काम करने वाली बहुजन समाज पार्टी पुनः सत्ता में वापस आएगी। रामविचार गौतम साहब ने कहा कि सेक्टर से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं के साथ भाईचारा बनाकर पुनः संगठन के मजबूती पर काम करना है जिले के एक-एक बूथ पर मिशनरी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अभियान चलाकर कंधे से कंधा मिलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बहुजन नायक मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब के सपनों को पूरा करने के लिए तत्काल प्रभाव से जुट जाएं आने वाले समय में बहुजनों की ताकत को दिखाकर अधिक से अधिक सीटें जीत कर बहन के हाथों को मजबूत करें। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वह पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राज्यसभा सांसद परम बहन कुमारी मायावती के नीतियों से प्रभावित होकर बसपा में आस्था विश्वास रखते हुए जन अधिकार पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ओबरा अनिल मौर्य ने अपने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और आजीवन बसपा में बिना स्वार्थ के सेवा करने की शपथ ली। मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल माननीय गुड्डू राम वह जिला अध्यक्ष बी सागर सब ने माला पहनकर स्वागत किया साथ ही साथ सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया मौर्य समाज के जुड़ने से पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। बैठक में मुख्य रूप से भगवान दास भारती, शेषधरपाल ,मोहन बाबू, बलवंत रंगीला ,सेकरार अहमद जिला उपाध्यक्ष ,उमेश कुशवाहा ,पवन प्रधान , प्रीतम गिरी रमेश कुशवाहा गोपाल दास कौशल ,कृष्ण कुमार उर्फ टांम बाबा गिरी प्रेमनाथ गौतम ,अमन मौर्य ,मुन्ना लाल भारती ,अनीश भारती,राम लखन देहाती ,बाबूराम प्रजापति , ,डॉ शिव शंकर राव, संतोष पटेल , प्रीतम गिरी प्रदीप पांडे ,शंकर भारती ,पप्पू संघर्षि , ,चंद्रकांत राव, जनार्दन पटेल विक्रम पटेल प्रदीप पांडे विद्या भारती हैदर अली फूल मोहम्मद राजू गुप्ता बाबूराम प्रजापति सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली विभाग उपभोक्ताओं के साथ कर रहा है अन्यायःराजेश गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री

के नाम ज्ञापन सदर विधायक भूपेश चौबे को सौंपा। जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि विधुत विभाग के द्वारा पोस्टपैड मीटरो को प्रीपैड में करने व विधुत उपभोक्ताओ को पहले मीटर रिर्चाज करने के सम्बन्ध में आदेश दिया जा रहा है जब की स्मार्ट मीटर लगते समय यह कहा गया था कि बिजली का बिल सही समय से उपभोक्ताओं को मिले व बोलो की गड़बड़ियों पर नियंत्रण लगाने के लिए मीटर लगाया जा रहा है रिचार्ज करने का संदेह जाताए जाने पर विभाग ने कहा था कि यह स्वैक्षिक हो गया जबरन नहीं कराया जाएगा पहले से ही हजारों बिजली बिल से समस्याएं लंबित है व विभाग का स्मार्ट मीटर 4.6 फीसदी ज्यादा रीडिंग उठा रहा है जो कि चेक मीटरों से साबित हो चुका है। लेकिन अब विभाग पहले रिर्चाज करने का आदेश दे रहा है और कह रहा है कि रिर्चाज करने पर ही बिजली मिलेगी यह उपभोक्ताओ के साथ अन्याय है सोनभद्र जनपद में गरीब व मझोले उपभोक्ताओ की संख्या 75 से 85 प्रतिशत है यह पहले रिर्चाज करने की स्थिति में नही है यह सरकार का आकांक्षी जनपद है ऐसे मे यह आदेश हजारों उपभोक्ताओ से बिजली छीन लेगा उपभोक्ता बिल आने पर किसी तरह जमा करता है उ प्रदेश उधोग व्यापार मण्डल सोनभद्र आप से माग करता है कि बिजली विभाग के इस आदेश को जनहित में निरस्त किया जाय एव पहले की तरह बिल सिस्टम लागू किया जाय इसी आशा और विश्वास के साथ सोनभद्र के गरीब मझले विधुत उपभोक्ताओ के साथ न्याय हो ज्ञापन देने के दौरान वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह चंदेल, जिला महामंत्री राजेश बंसल, जिला संगठन मंत्री राजेश सोनी, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश केसरी, युवा जिला अध्यक्ष रमेश जायसवाल, नगर अध्यक्ष आनंद प्रताप जायसवाल, फल सब्जी मंडी अध्यक्ष श्याम बाबू, इलेक्ट्रॉनिक अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, नगर महामंत्री राजेश जायसवाल, दीपचंद जायसवाल, मुकेश जायसवाल, आईटी अध्यक्ष अजय केसरी, सहीत कई व्यापारी मौजूद रहे।

आप पार्टी ने चलाया हर घर संपर्क अभियान

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी के संगठन विस्तार के क्रम में 'हर घर संपर्क अभियान' के अन्तर्गत सोनभद्र जनपद की ओबरा विधानसभा के साथियों के साथ ओबरा के गजराज नगर काशी राम आवास विकास कालोनी में महत्वपूर्ण बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 'हर घर संपर्क अभियान' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के गांव-गांव, घर-घर जाकर विधानसभा, ब्लॉक, वार्ड स्तर तक संगठन निर्माण करेगी आम आदमी पार्टी। इस दौरान संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह सहित तमाम साथी मौजूद रहे। बैठक का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रमेश गौतम, बैठक की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष बृजेश कन्नौजिया ने किया। संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने कहा लोकतंत्र की हत्या करने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग!कल माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा ऐतिहासिक फैसला दिया जिसने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के संविधान की रक्षा की। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग ने 65 लाख न्दूी का नाम मतदाता सूची से काट दिया और उन्हें वोट करने से वंचित करके उनके संवैधानिक हक को छीनने की कोशिश की।

आप पार्टी ने चलाया हर घर संपर्क अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आम आदमी पार्टी के संगठन विस्तार के क्रम में 'हर घर संपर्क अभियान' के अन्तर्गत

सोनभद्र जनपद की ओबरा विधानसभा के साथियों के साथ ओबरा के गजराज नगर काशी राम आवास विकास कालोनी में महत्वपूर्ण बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 'हर घर संपर्क अभियान' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के गांव-गांव, घर-घर जाकर विधानसभा, ब्लॉक, वार्ड स्तर तक संगठन निर्माण करेगी आम आदमी पार्टी। इस दौरान संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह सहित तमाम साथी मौजूद रहे। बैठक का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रमेश गौतम, बैठक की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष बृजेश कन्नौजिया ने किया। संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने कहा लोकतंत्र की हत्या करने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग!कल माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा ऐतिहासिक फैसला दिया जिसने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के संविधान की रक्षा की। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग ने 65 लाख वोटर्स का नाम मतदाता सूची से काट दिया और उन्हें वोट करने से वंचित करके उनके संवैधानिक हक को छीनने की कोशिश की। चुनाव आयोग लगातार बहाने बनाता रहा और उनके नाम क्यों काटे इसकी जानकारी भी छुपाता रहा। कल सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन सभी मतदाताओं की सूची को सार्वजनिक किया जाए।देश को बचाना है तो कमल का बटन नहीं दबाना है। आज जी बैठक में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह एवं संतोष त्यागी, रोहित यादव,आसिफ अंसारी,इमाम होंदा अंसारी,रिजवान खान,आशीष पांडे, अनवर अली अंसारी,वशिष्ठ पनिका,राम विलास निषाद,दिलीप कुमार दत्ता,राजेश श्रीवास्तव,विनय सिंह, अमैरा,राम करण आदि शामिल रहे।

डॉक्टर एक पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी सेवा हैःडॉ अनुपमा, पंचशील मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल छपका में आयोजित हुई गोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पंचशील मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल छपका स्थित परिसर में

हॉस्पिट डायरेक्टर पवित मौर्या ने हॉस्पिटल स्थापना दिवस पर डाक्टरों को अगवस्त पुष्प गुच्छ करते हुए केक काट कर धूम धाम से मनाया गया। वही मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए डॉ अनुपमा मौर्या ने बताया कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे बड़ी सेवा है। यह दिन साल में एक बार मनाते हैं, एक हॉस्पिट स्थापना के दिन है जो हमें याद दिलाता है कि डॉक्टर्स हमारे जीवन के अनदेखे रक्षक हैं। चाहे वो राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाए या वैश्विक, उनका योगदान हर सीमा से परे है। दोनों दिनों को मनाने का उद्देश्य एक ही है, चिकित्सकों का सम्मान। वही डॉ अनुपमा मौर्या ने बताया कि हर साल 15अगस्त को हॉस्पिट स्थापना दिवस मनाते हैं। इस दौरान डायरेक्टर पवित मोर्चा ने कहा कि इस असर पर डॉक्टरों को सम्मानित किया जाता है। हॉस्पिटल्स और मेडिकल संस्थान कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जहां मरीज और संस्थाएं डॉक्टरों को धन्यवाद और सराहना देते हैं। इस मौके पर डॉक्टर अंजनी कुमार सिंह, डॉ.सुशील कृष्णमूर्ति, डॉ.सौरभ सिंह, डॉ . अनिल जायसवाल, डॉ विवेक कुमार सिंह, डॉ, दीप नारायण आदि लोग मौजूद रहे।

खाद की ब्लेक मार्केटिंग से किसानों की बड़ी चिंताःश्रीकांत त्रिपाठी, किसानों को समय पर खाद न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण

सोनभद्र। महीने भर से अधिक समय से खाद के लिए संघर्षरत किसानों को अभी भी खाद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, निर्वाचित

जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के लाख दावों के बावजूद अभी तक सरकारी समितियों पर खाद नदारद है या फिर अपर्याप्त है। सोनभद्र में किसानों की समस्याओं से प्रमुखता से उठाने वाले संगठन पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के जिलाध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी ने सोमवार को कोरियांव बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति का दौरा किया जहां समिति पर ताला लटकता देख वो अचंभित हुए और बाहर खाद के लिए बैठे किसानों से खाद की उपलब्धता का हाल जाना। कोरियाव साधन सहकारी समिति पर खाद के लिए बैठे किसानों ने बताया कि वो महीने भर से खाद के लिए समिति का चक्कर लगा रहे हैं, सूचना मिली थी कि 15 अगस्त तक खाद सेंटर पर आ गई है। लेकिन समिति के जिम्मेदार कर्मचारी समिति पर ताला जड़ कर गायब हैं। मामले की पूरी जानकारी पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के जिलाध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी ने किसान नेता गिरीश पाण्डेय को दी। जिसे गंभीरता से लेते हुए गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र के एक्स हैंडल पर लिखा कि जनप्रतिनिधियों के भाषणों और अधिकारियों की फाइलों में भले ही खाद बंट रही है लेकिन धरातल पर ताला लटक रहे हैं। पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के अध्यक्ष श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि किसानों को समय पर खाद न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है । नेता द्वय ने जिलाधिकारी से मांग किया कि खाद के मामले को गंभीरता से संज्ञान लेकर जिलाधिकारी करें त्वरित खाद की व्यवस्था।

श्री कृष्ण भारतीय सनातन संस्कृति के महानायकः बीके सुमन, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सोनभद्र सेवाकेंद्र पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री कृष्ण भारतीय सनातन संस्कृति के महानायक हैं। उनका जीवन चरित्र हिंदू सनातन संस्कृति की महान विरासत है जो संपूर्ण

मानव समाज के लिए वर्तमान में समय अत्यंत प्रासंगिक है। जीवन में अंतर्विरोध, चेतना में अंतर्द्वंद और निर्णय लेने में अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होने से ज़ब कर्तव्य पथ पर असहजता उत्पन्न होने लगे तो श्रीकृष्ण का गीता का उपदेश मन में चल रहे महाभारत में अर्जुन बनकर कर्तव्य पथ का विजेता बना देता है। श्रीकृष्ण के जीवन में धर्म, नीति, अध्यात्म, भक्ति और कर्म का अद्भुत समन्वय है जो मनुष्य को संपूर्ण सोलह श्रेष्ठ मानवीय कलाओं के अवतार के रूप में सहज भाव से जीवन जीने की राह दिखाता है। श्री कृष्ण के समान कर्मयोगी बनकर जीवन पथ पर उठाया गया प्रत्येक कदम सफलता की गारंटी सुनिश्चित करता है। उक्त बातें श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन पर आध्यात्मिक प्रवचन करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका बी.के. सुमन दीदी ने कहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य जीवन विशेषकर युवावर्ग के जीवन में उथल -पुथल का जो दौर चल रहा है उस पर विजय प्राप्त करने के लिए श्री कृष्ण के जीवनमूल्य अत्यंत प्रासंगिक और अनुकरणीय हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर स्थानीय सेवाकेंद्र पर आकर्षक झांकी सजायी गई थी जो हमें अपने जीवन के बाल्यकाल में झांककर प्रसन्नता और सहजता के साथ जीवन जीने का संदेश देती हैं। स्वागत नृत्य करती आर्ना नें प्रस्तुत किया। रिशू नें मनमोहक कालिया नाग नृत्य प्रस्तुत किया । बच्चों से सुदामा कृष्ण के जीवन चरित्र पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर मित्रता के बीच अमीरी - ग़रीबी की रेखा को मिटाने का संदेश दिया कृष्ण देव, द्वारपाल दीप वैभव, सुदामा का पार्ट करते कु. हर्षित, रुक्मणि सत्यभामा। कु. रिया कु. रिद्धि,नारद कु. पूनम, कृष्ण कु. प्रिया, ओम प्रियांशु आयुष्मान, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बी. के. सीता, बी. के. सरोज बी. के. कविता बी. के. दीपशिखा,डॉ बी. के. हरीन्द्र, राजीव शुक्ला, अवधेशधर दुबे नें सक्रिय सहयोग दिया।मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सदर भूपेश चौबे की गरिमामय उपस्थिति और सम्बोधन से उपस्थित लोगो में सनातन संस्कृति की भावना जीवंत हुई।

बहुजन के नीतियों को आम जन तक पहुंचाने का काम करें कार्यकर्ताः बी सागर

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक बी सागर जिलाध्यक्ष बसपा के अध्यक्षता में राबर्टसगंज नगर पालिका अंतर्गत होटल डिजायर

उरमौरा में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में गुड्डूराम साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल ,व डॉ रामावतार चौहान साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ ओपी मौर्य जिला प्रभारी रामविचार गौतम जिला प्रभारी , हीरालाल सायन साहब पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी सेकरार अहमद ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सबसे पहले एक मिशन है मिशन मूवमेंट आगे बढ़ाने के लिए समय-समय से जन्मे संतो गुरुओ महापुरुषों ने अपने जीवन को समर्पित कर दिया बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी अपने जीवन काल में शोषित वंचित समाज के लिए संघर्ष करते रहे बाबा साहब के अधूरे कारवां को पूरा करने के लिए बहुजन नायक मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब ने बहुजन समाज पार्टी का स्थापना कर आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनाने का काम किया और कारवां चलता रहा आगे बढ़ता रहा इस कारवां को रुकने नहीं देना है लेकिन राजनीतिक मास्टर चाबी जब तक बहुजनों के हाथ में नहीं आएगी तब तक सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर चलने वाली बहुजन समाज का मूवमेंट आगे नहीं बढ़ पाए इसलिए सर्व समाज के हित के लिए बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनाने की जरूरत है तभी सर्व समाज के लोगों को मान सम्मान स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। डा0 रामावतार चौहान ने कहा कि आज वर्तमान की सरकार दलित शोषित वंचित समाज के साथ दुर्व्यवहार करने का काम कर रही है इनको हर व्यवस्था से वंचित किया जा रहा है चारों तरफ भ्रष्टाचार अत्याचार और गरीब से गरीब व्यक्तियों का शोषण कर रही है कानून व्यवस्था ध्वस्त है ऐसी सरकारों को बने रहने का कोई अधिकार नही है बहुजन समाज के लोगों को जागना होगा। डा0 ओपी मौर्य साहब ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के सेक्टर से लेकर बुथ तक संगठन को मजबूती प्रदान करने की जरूरत है बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर सेक्टर को दुरुस्त करने के लिए अभियान चलाकर मजबूती प्रदान करना है तभी आने वाले समय में हम सभी लोगों को मिलकर बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनाएं ज़रूरत है। बसपा जिलाध्यक्ष बी सागर साहब ने कहा कि मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब के सपने को साकार करने के लिए जन-जन तक पहुंच कर बसपा सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख करना होगा और पुनः मिशनरी लोगों को साथ में लेकर बहन के सोशल इंजीनियरिंग को जन-जन तक पहुंचाना होगा तभी सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर काम करने वाली बहुजन समाज पार्टी पुनः सत्ता में वापस आएगी। रामविचार गौतम साहब ने कहा कि सेक्टर से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं के साथ भाईचारा बनाकर पुनः संगठन के मजबूती पर काम करना है जिले के एक-एक बूथ पर मिशनरी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अभियान चलाकर कंधे से कंधा मिलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बहुजन नायक मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब के सपनों को पूरा करने के लिए तत्काल प्रभाव से जुट जाएं आने वाले समय में बहुजनों की ताकत को दिखाकर अधिक से अधिक सीटें जीत कर बहन के हाथों को मजबूत करें। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वह पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राज्यसभा सांसद परम बहन कुमारी मायावती के नीतियों से प्रभावित होकर बसपा में आस्था विश्वास रखते हुए जन अधिकार पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ओबरा अनिल मौर्य ने अपने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और आजीवन बसपा में बिना स्वार्थ के सेवा करने की शपथ ली। मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल माननीय गुड्डू राम वह जिला अध्यक्ष बी सागर सब ने माला पहनकर स्वागत किया साथ ही साथ सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया मौर्य समाज के जुड़ने से पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। बैठक में मुख्य रूप से भगवान दास भारती, शेषधरपाल ,मोहन बाबू, बलवंत रंगीला ,सेकरार अहमद जिला उपाध्यक्ष ,उमेश कुशवाहा ,पवन प्रधान , प्रीतम गिरी रमेश कुशवाहा गोपाल दास कौशल ,कृष्ण कुमार उर्फ टांम बाबा गिरी प्रेमनाथ गौतम ,अमन मौर्य ,मुन्ना लाल भारती ,अनीश भारती,राम लखन देहाती ,बाबूराम प्रजापति , ,डॉ शिव शंकर राव, संतोष पटेल , प्रीतम गिरी प्रदीप पांडे ,शंकर भारती ,पप्पू संघर्षि , ,चंद्रकांत राव, जनार्दन पटेल विक्रम पटेल प्रदीप पांडे विद्या भारती हैदर अली फूल मोहम्मद राजू गुप्ता बाबूराम प्रजापति सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा,एएफआई अधिकारी ने पुष्टि की,15 अंक के साथ क्वालिफाई, 27-28 अगस्त को ज्यूरिख में मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग-2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद फाइनल टेबल में 15 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होने जा रहे मुकाबले के लिए क्वालिफाई किया। 27 साल के नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया राउंड में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का करियर बेस्ट थ्रो फेंका और दूसरे स्थान पर रहे। फिर नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया- 'अभी तक की जानकारी के अनुसार नीरज पूरी तरह फिट हैं और वे डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे।' फिलहाल, नीरज चोपड़ा चेक रिपब्लिक में ट्रेनिंग कर रहे हैं।ब्रसेल्स राउंड में खेलने न खेलने से फर्क नहीं पड़ेगा 2022 में डायमंड लीग का खिताब जीत चुके नीरज चोपड़ा के 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग के आखिरी राउंड में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है। हालांकि, उनके इस राउंड में हिस्सा लेने या न लेने से उनकी फाइनल स्टैंडिंग टेबल में फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे पहले ही डायमंड लीग के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।अगले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप में खिताब बचाने उतरेंगे नीरज नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने पिछले सीजन में बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता था।डायमंड लीग एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड) का एक टूर्नामेंट है, जिसमें एथलेटिक्स के 16 इवेंट (मेंस और विमेंस) होते हैं। यह हर साल दुनिया के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है। डायमंड लीग एथलेटिक्स सीरीज हर साल मई से सितंबर तक आयोजित की जाती है और सीजन का समापन डायमंड लीग फाइनल के साथ होता है। आमतौर पर डायमंड लीग के सीजन में प्रतियोगिताओं की संख्या 14 होती है, जिसमें फाइनल भी शामिल होता है, लेकिन कभी-कभी यह संख्या बदल जाती है। हर इवेंट में टॉप-8 खिलाड़ियों को पॉइंट्स मिलते हैं, पहले नंबर के खिलाड़ी को 8 और 8वें नंबर के खिलाड़ी को एक पॉइंट मिलता है। 13 इवेंट के बाद सभी खिलाड़ियों के पॉइंट्स काउंट होते हैं। टॉप-10 पोजिशन पर फिनिश करने वाले खिलाड़ियों को डायमंड लीग फाइनल में जगह मिलती है। इसमें जीतने वाले खिलाड़ी को डायमंड लीग विजेता की ट्रॉफी और कैश प्राइज मिलता है।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलानःबाबर आजम-रिजवान को टीम में जगह नहीं, सलमान आगा करेंगे कप्तानी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप 2025 और उससे पहले खेले जाने वाले यूएई ट्राई-सीरीज के लिए 17 मेंबर्स वाले टी-20 स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं किया गया है। टीम की कप्तानी ऑलराउंडर सलमान अली आगा को सौंपी गई है। एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले होने वाली ट्राई-सीरीज में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई हिस्सा लेंगे। बाबर ने पिछले साल दिसंबर में आखिरी बार खेला था टी-20 मैच बाबर आजम ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था। इसके बाद पाकिस्तान सुपर लीग 2025 में उन्होंने कुछ अच्छी पारियां खेलीं, जिसमें 56 रन नॉटआउट, 53 रन नाबाद और 94 रन की इनिंग शामिल है। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके स्कोर 47, 0 और 9 रहे।

एशिया कप हॉकी- पाकिस्तान की जगह खेल सकता है बांग्लादेश,हॉकी इंडिया अधिकारी ने कहा-हम 2 दिन और इंतजार करेंगे; पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से हटा

नयी दिल्ली। बांग्लादेश की टीम 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह खेल सकती है। यह टूर्नामेंट बिहार के राजगीर में आयोजित होने जा रहा है। हॉकी इंडिया के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई से कहा- 'अगर पाकिस्तान अगले 2 दिनों में अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं करता है, तो उसे बांग्लादेश से बदला जा सकता है।' रिपोर्ट के अनुसार, आयोजकों ने पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया का कहना है कि स्थिति अगले 48 घंटों में क्लियर होगी। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत आने से इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने कहा कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देगी। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा- 'भारत सरकार पहले ही

वीजा देने की बात कह चुकी है, लेकिन अगर वे (पाकिस्तानी खिलाड़ी) नहीं आना चाहते तो यह हमारी समस्या नहीं है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में बांग्लादेश को आमंत्रित किया गया है, लेकिन हमें दो दिन और इंतजार करना होगा।' अधिकारी ने आगे कहा- 'न तो पाकिस्तान और न ही बांग्लादेश ने अभी तक हमें कोई आधिकारिक पुष्टि दी है, लेकिन पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश के उतरने की संभावना ज्यादा है।' पीएचएफ प्रमुख ने यह भी सवाल उठाया कि भारत में उनकी टीम की सुरक्षा की क्या गारंटी है? हमने उनसे पूछा है कि वे हमें यह बताएं कि हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी और वे टूर्नामेंट पर कैसे ध्यान दे पाएंगे। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत की यात्रा नहीं करेगी।एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

राजगीर में 29 अगस्त से हीरो एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप,सात देशों की टीम ले रही हिस्सा, विजेता टीम को विश्व कप में सीधे मिलेगी एंट्री

नयी दिल्ली।बिहार के राजगीर खेल परिसर में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हीरो एशिया कप पुरुष हॉकी के 12वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर टूर्नामेंट के शुभंकर 'चांद' का अनावरण किया गया है। जो हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को समर्पित है। टूर्नामेंट का शुभंकर एक बाघ के रूप में डिजाइन किया गया है। जिसे 'चांद' नाम दिया गया है। यह नाम स्वयं में एक गहरा संदेश समेटे हुए हैं। मेजर ध्यानचंद की याद में, जो चांदनी रातों में अभ्यास करके हॉकी की दुनिया में अमर हो गए। शुभंकर के सीने पर पद्मभूषण का मेडल लगाया गया है, जो उनके असाधारण योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय पशु बाघ का चयन कोई संयोग नहीं है। यह साहस, स्फूर्ति और कौशल का प्रतीक है। वे गुण जो हर हॉकी खिलाड़ी में होने चाहिए। 'चांद' का लाल लबादा शक्ति और उत्साह को दर्शाता है, जबकि जादूगर की टोपी मेजर ध्यानचंद की जादूगरी का प्रतीक है। एशिया की दिग्गज टीमों का जमावड़ा- इस बार के टूर्नामेंट में एशिया की सात टीमें भाग ले रही हैं। भारत की मेजबानी में चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और ओमान की टीमें अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। हालांकि, पाकिस्तान की टीम किसी कारणवश इस बार भाग नहीं ले रही है। इस टूर्नामेंट की महत्ता इसलिए और भी बढ़ जाती है कि विजेता टीम को विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश का अधिकार मिलेगा। यह अवसर हर टीम के लिए सुनहरा है और निश्चित रूप से प्रतिस्पर्धा को और भी रोमांचक बनाएगा।रविवार से शुरू हुई ट्रॉफी गौरव यात्रा का आयोजन एक सराहनीय पहल है। यह यात्रा केवल बिहार के सभी जिलों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चेन्नई, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, असम और झारखंड जैसे राज्यों में भी जाएगी। यह न केवल टूर्नामेंट के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि हॉकी के प्रति युवाओं में उत्साह भी जगाएगी। ट्रॉफी की यात्रा के लिए दो अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। पहला मार्ग वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सीवान होते हुए 28 अगस्त को राजगीर पहुंचेगा। दूसरा मार्ग भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद और गया होते हुए राजगीर तक जाएगा। एशिया कप का गौरवशाली इतिहास- एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है। कब कहां विजेता उपविजेता- भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत आठ बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी की निरंतरता और दृढ़ता को दर्शाता है।

एशिया कप के लिए क्या होगा भारत का स्क्वॉडःअक्षर या शुभमन किसे मिलेगी उपकप्तानी? ओपनर्स कौन होंगे? बैकअप विकेटकीपर में कितने ऑप्शन?

नयी दिल्ली। एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट इस साल 9 सितंबर से खेला जाएगा। 17 सदस्यीय टीम अनाउंस करने की

आखिरी तारीख 19 अगस्त है। पाकिस्तान ने अपनी टीम की घोषणा भी कर दी है। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि भारतीय टीम में किन 17 प्लेयर्स को मौका मिलेगा? 5 पॉइंट्स में भारत की संभावित टीम- 1. बल्लेबाजों में क्या शुभमन, यशस्वी रहेंगे? सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के कप्तान हैं, ऐसे में उनकी जगह तो तय है। अब टीम को बल्लेबाजों की पोजिशन के लिए 4 से 6 और खिलाड़ियों को चुनना है। इन पोजिशन के लिए अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, रिंकू सिंह, रियान पराग और श्रेयस अय्यर दावेदार हैं। शुभमन, यशस्वी और श्रेयस को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज में चुना नहीं गया था, लेकिन तीनों ही प्लेयर्स ने आईपीएल में अपना दमदार फॉर्म दिखा दिया। हालांकि, इनमें से 1 या 2 को ही टीम में जगह मिलते नजर आ रही है। अभिषेक और तिलक टी-20 बैटर्स रैंकिंग के टॉप-2 स्थान पर हैं और उनकी जगह भी तय है। टीम पराग या रिंकू में से भी किसी एक को ही मौका देगी। यानी सूर्या को मिलाकर 4 और बल्लेबाजों को स्क्वॉड में जगह मिल सकती है। 2. विकेटकीपर में सैमसन के साथ ईशान-राहुल भी मौजूद विकेटकीपर पोजिशन के लिए संजू सैमसन पहली चॉइस हैं, वे पिछले 1 साल में भारत के लिए 3 टी-20 शतक लगा चुके हैं। उनके ऑप्शन के रूप में ऋषभ पंत बेस्ट रहते, लेकिन वे इंजरी के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में ध्रुव जुरेल, जितेश शर्मा और प्रभसिमरन के रूप में ऑप्शन बचते हैं। जुरेल को पिछली सीरीज में मौका मिला था, वहीं जितेश और प्रभसिमरन बेहतरीन फॉर्म में हैं। हालांकि, पिछली टीम को देखते हुए जुरेल को ही मौका मिलने की ज्यादा संभावनाएं हैं। इनके अलावा ईशान किशन और केएल राहुल भी रेस में हैं, लेकिन दोनों ही विकेटकीपर टॉप ऑर्डर पोजिशन में खेलते हैं। इनमें से किसी को तब ही मौका मिलेगा, जब सैमसन या कोई ओपनर इंजर्ड होगा। ओपनिंग पोजिशन पर वैसे भी सैमसन के अलावा अभिषेक, यशस्वी और शुभमन के रूप में 3 दावेदार पहले से हैं। ऐसे में ईशान और राहुल का शामिल होना मुश्किल है।3. ऑलराउंडर्स में हार्दिक, अक्षर की जगह पक्की हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में भारत के पास 5 ऑलराउंडर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर सभी फॉर्मेट की टीम में ऑलराउंडर्स को ज्यादा तवज्जो देते हैं, ऐसे में पांचों खिलाड़ियों को एशिया कप की टीम में मौका मिल सकता है। इनमें से किसी एक को बाहर करने की जरूरत पड़ी तो सुंदर या रेड्डी में से किसी को बाहर किया जा सकता है।4. बॉलर्स में बुमराह रहेंगे या नहीं? तेज गेंदबाजों के ऑप्शन के रूप में भारत के पास अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी के ऑप्शन हैं। बुमराह को वर्कलोड के कारण ही इंग्लैंड सीरीज में 2 मैच नहीं खिलाए गए थे, ऐसे में वे एशिया कप के लिए भी फिट हैं। बुमराह के साथ अर्शदीप को भी टीम में मौका मिलेगा। बाकी 4 पेसर्स में किन्हीं 2 को मौका दिया जा सकता है। सिराज को आराम मिलने की संभावनाएं ज्यादा हैं। वहीं प्रसिद्ध और हर्षित का घ्र्थ में फॉर्म बेहतरीन रहा। शमी भी फिट हैं, लेकिन टी-20 टीम से अब उनकी छुट्टी हो सकती है। स्पिन गेंदबाजों में अक्षर और सुंदर के रूप में 2 ऑलराउंडर हैं। इनके अलावा फुल टाइम स्पिनर्स में कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती के ऑप्शन हैं। अगर स्क्वॉड में जगह रही तो तीनों को मौका मिल जाएगा। अगर किन्हीं 2 को चुनना पड़ा तो बिश्नोई को बाहर किया जा सकता है। टीम में 2 स्पेशलिस्ट स्पिनर्स तो जरूर रहेंगे।5. शुभमन या अक्षर कौन रहेगा उप कप्तान? पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर गई। यहां ऋतुराज गायकवाड और शुभमन गिल ने टीम की कप्तानी की, ज्यादातर मुकाबले में शुभमन ही लीडर रहे। अगली सीरीज श्रीलंका से हुई, यहां गिल को उप कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई। श्रीलंका सीरीज के बाद भारत ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड से टी-20 सीरीज खेली। इनमें शुभमन को आराम दिया गया, जिस कारण अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया। अब बड़ा सवाल है कि एशिया कप में शुभमन को उप कप्तानी मिलेगी या अक्षर को? शुभमन को टीम में भी मौका मिलेगा या नहीं? ये भी बड़ा सवाल है, क्योंकि टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को है, इसके 3 दिन बाद ही टीम इंडिया को वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसमें शुभमन ही कप्तानी करेंगे। इसी सीरीज को देखते हुए यशस्वी, सुंदर, राहुल और जुरेल को भी बाहर रखा जा सकता है। चारों ही प्लेयर्स टेस्ट टीम के मेंबर्स भी हैं।एशिया कप के लिए पॉसिबल स्क्वॉड सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शुभमन गिल, ध्रुव जुरेल/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रियान पराग, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह।

सास हर बात पर टोकती है, पति को मेरे लिए स्टैंड लेना चाहिए, पर वो तो राजा बेटा है, खुद को कैसे प्रोटेक्ट करूं

नयी दिल्ली। सवालः मैं एक साल से शादीशुदा हूं और अपने ससुराल वालों के साथ एक संयुक्त परिवार में रहती हूं। मेरी सास हमारे रिश्ते में लगातार हस्तक्षेप करती हैं, मेरे खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि मेरे पति के साथ बातचीत करने पर भी आलोचना करती हैं। मेरा पति अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें

परेशान नहीं करना चाहता है। इसलिए वह उनका सामना करने से बचता है। इससे हमारे बीच तनाव बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि मेरी बात अनसुनी रह जाती है। मैं इस मसले पर कैसे बात करूं कि परिवार में कलह न पैदा हो? मैं चाहती हूं कि मेरा पति मेरे पक्ष में खड़ा हो, क्या मेरा ये उम्मीद करना गलत है? एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, दिल्लीजवाबः आपने अपनी परेशानी साझा की और मैं समझ सकती हूं कि आप इस समय कितना उलझन में हैं। शादी के एक साल बाद भी संयुक्त परिवार में ढलना आसान नहीं होता, खासकर जब सास का हस्तक्षेप और पति का चुप रहना आपके लिए तनाव का कारण बन रहा हो। आपने बताया कि आपकी सास आपके खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि पति के साथ बातचीत तक में टिप्पणी करती हैं। ऊपर से आपका पति अपनी मां से प्यार के चलते कुछ बोलने से बचता है। इससे आपको लगता है कि आपकी बात कोई नहीं सुन रहा। आप चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह सोच रही हैं कि क्या यह उम्मीद करना गलत है। चलिए इस परेशानी को एक-एक करके सुलझाते हैं। आपकी भावनाएं गलत नहीं हैं सबसे पहले तो यह स्वीकार करिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह बिल्कुल ठीक है। कोई हर वक्त आपके काम में कमी निकाले तो दुख होना स्वाभाविक है। आप नई बहू हैं, नए घर में अपनी जगह बना रही हैं और ऐसे में सास की हर बात पर टोकाटाकी परेशान कर सकती है। यह भी सच है कि पति का चुप रहना आपको और अकेला महसूस कराता है। शादी के शुरुआती साल वैसे भी मुश्किल होते हैं, आप एक नया रिश्ता बना रही हैं, नए लोगों के साथ तालमेल बिठा रही हैं। ऐसे में अगर आपको गुस्सा, दुख या बेचैनी हो रही है तो खुद को दोष न दें। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आप अपने रिश्ते और परिवार को बेहतर करना चाहती हैं।आपकी परेशानी का सबसे बड़ा हिस्सा यह है कि आपका पति कुछ बोलता नहीं। लेकिन घबराइए मत, इसे ठीक करने का तरीका है, बातचीत। अपने पति से खुलकर बात करना इस समस्या को सुलझाने की पहली सीढ़ी है। यह बात ऐसी होनी चाहिए कि न वो परेशान हों, न सास नाराज हों और न ही घर में कोई लड़ाई हो।1. सही समय चुनें रात को खाने के बाद या वीकेंड पर, जब आप दोनों अकेले हों, तब बात शुरू करें। माहौल शांत हो, कोई जल्दी न हो ताकि आप आराम से अपनी बात कह सकें। 2. प्यार से रखें अपनी बात यह ध्यान रखें कि कहीं सास के कारण आप दोनों के बीच चीजें न बिगड़ जाएं। इसलिए गुस्से में बात न करें। बताएं कि आप सास के प्रति सम्मान का भाव रखती हैं, लेकिन उनके बेवजह दखल से दिक्कत हो रही है। 3. पति की परेशानी समझें- आपका पति अपनी मां को दुखी नहीं करना चाहता, यह उसका प्यार है। इसे स्वीकार करें। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट तौर पर बताएं कि आप उनकी मां के खिलाफ नहीं हैं, बस चाहती हैं कि आप दोनों मिलकर कुछ तय करें। 4. साथ मिलकर रास्ता निकालें- अपने पति को बताएं कि आपको अपनी सास की कौन-कौन सी बातें असहज करती हैं। इसके बाद दोनों लोग मिलकर एक रास्ता निकालें कि किस तरह उनको ये बात समझाई जाए, ताकि उनको इससे तकलीफ न हो। कुछ सीमाएं जरूरी हैं- हर रिश्ते में एक लकीर होनी चाहिए, जिससे पता चले कि कहां तक किसी का दखल ठीक है और कहां से परेशानी शुरू होती है। संयुक्त परिवार में यह और भी जरूरी है। आप और आपका पति मिलकर अपनी सास के साथ कुछ सीमाएं तय कर सकते हैं। क्या-क्या ठीक है, तय करें। घर में किसी बड़े की सलाह पारिवारिक बातों में ठीक है, पर खाना बनाने या कपड़ों में आपकी आजादी होनी चाहिए। अपनी बात नरमी से कहें। अगर सास कुछ कहें, तो मुस्कुरा के बोलें, कि आपकी सलाह अच्छी है पर मैं इसे अपने ढंग से करना चाहती हूं। पति का साथ जरूर लें। उन्हें कहें कि वो भी अपनी मां से बात करें। उन्हें अपनी मां को बताना होगा कि आपके काम से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। सीमाएं तय करने से सास को भी समझ आएगा कि आपको अपना स्पेस चाहिए और यह सब सम्मान के साथ हो सकता है। क्या पति से साथ मांगना गलत है? नहीं, बिल्कुल नहीं। आप यह चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह हर शादीशुदा जोड़े का हक है। शादी में पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए ढाल बनते हैं। आपका यह सोचना गलत नहीं कि वो आपकी भावनाओं को समझे और आपका साथ दे। लेकिन यह भी सच है कि वो अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें दुखी नहीं करना चाहता। यहां उन्हें बीच का रास्ता निकालना होगा। आप उन्हें यह समझा सकती हैं कि आपका साथ देना मां के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि आप दोनों के रिश्ते को मजबूत करना है। क्या करें कि सास के साथ रिश्ता न बिगड़े- सास-बहू के रिश्ते को लेकर समाज में टैबू है। कई मामलों में ये चीजें सही भी होती हैं। इसके बावजूद अगर सलीके से बैठकर अपनी बातें रखी जाएं तो बात बन सकती है।अगर सारी कोशिशों के बाद भी तनाव कम न हो तो किसी फैमिली काउंसलर से मिलने में न हिचकें। कोई बाहर का इंसान आपकी बात को नई नजर से देख सकता है और रास्ता बता सकता है। यह आपके रिश्ते को बचाने का एक अच्छा कदम हो सकता है। पति को समझाएं अपनी बात- आपकी परेशानी बड़ी लग रही होगी, पर यह हल हो सकती है। अपने पति से प्यार और सम्मान के साथ बात करें। सास के साथ मिलकर कुछ काम करें। आपका यह चाहना कि पति आपका साथ दे, बिल्कुल सही है। बस उन्हें अपनी मजबूरी भी समझने दें। आप अकेली नहीं हैं, हर संयुक्त परिवार में ऐसी बातें होती हैं और सही तरीके से कोशिश करने से सब ठीक हो जाता है। धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से, आप अपने घर में शांति और खुशी ला सकती हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025- ईशान किशन टूर्नामेंट से बाहर,अभिमन्यु ईश्वरन बने ईस्ट जोन के कप्तान,ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन टीम में शामिल

नयी दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट के कारण दलीप ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। कुछ हफ्ते पहले उन्हें

ईस्ट जोन का कप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन अब वे 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाले छह-टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। उनकी जगह ओडिशा के 20 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज आशीर्वाद स्वैन को ईस्ट जोन टीम में शामिल किया गया है। बंगाल के 29 साल के दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, जो पहले उपकप्तान थे, को अब कप्तान बनाया गया है।स्वैन ने ओडिशा के लिए 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 615 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77 रन है। उन्होंने तीन अर्धशतक बनाए हैं और विकेट के पीछे 35 शिकार किए हैं, जिनमें 32 कैच और 3 स्टंपिंग शामिल हैं। ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन ने एक्स पर स्वैन के ईस्ट जोन टीम में शामिल होने की पुष्टि की। ओसीए ने लिखा, 'ओडिशा के विकेटकीपर-बल्लेबाज आशीर्वाद स्वैन को दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन टीम में चुना गया है। वे ईशान किशन की जगह लेंगे और संदीप पटनायक के साथ टीम में शामिल होंगे।' आखिरी बार जुलाई में खेला था ईशान किशन ने अपना आखिरी मैच 29 जून से 2 जुलाई 2025 तक नॉटिंघमशायर के लिए समरसेट के खिलाफ टॉन्टन में खेला था, जिसमें उन्होंने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 77 रन बनाए थे। ईशान ने भारत के लिए 14 मार्च 2021 को अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था और अब तक 2 टेस्ट, 27 वनडे और 32 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। ईस्ट जोन की टीमः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेटकीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मोहम्मद शमी।

बाबर आजम को एशिया कप से बाहर करने पर विवादःजावेद मियांदाद बोले- चयनकर्ताओं को खुद नहीं पता क्या कर रहे हैं

नयी दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार, 9 सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप और उससे पहले 29 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित त्रिकोणीय सीरीज (पाकिस्तान के साथ यूएई और अफगानिस्तान) के लिए 17 मेंबर्स की टीम की घोषणा की। इसमें सीनियर बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर किए जाने का चौंकाने वाला फैसला लिया गया, जिसके बाद चयनकर्ताओं की कड़ी आलोचना हो रही है। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, 'चयनकर्ताओं को खुद नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। क्या उन्होंने कभी क्रिकेट खेली है? बाबर आजम जैसे महान खिलाड़ी को बाहर करना समझ से परे है। क्रिकेट में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं। खिलाड़ी को सही समय पर आत्मविश्वास के साथ

प्रदर्शन करना होता है।' टीम में सीनियर तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद वसीम और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा को शामिल किया गया है। सलमान अली आगा को त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए कप्तान नियुक्त किया गया है। फखर जमान ने हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर टीम में वापसी की है। उन्हें वेस्टइंडीज दौरे पर चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं और दोनों टूर्नामेंट्स के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को ग्रुप-ए में रखा गया है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। पाकिस्तान का पहला मैच 12 सितंबर को ओमान, 14 सितंबर को भारत और 17 सितंबर को यूएई से होगा। यदि भारत और पाकिस्तान सुपर-4 स्टेज में पहुंचते हैं, तो दोनों टीमें 21 सितंबर को फिर आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 में शीर्ष पर रहती हैं, तो टूर्नामेंट में तीसरा भारत-पाकिस्तान मुकाबला भी संभव है।ट्राई सीरीज और एशिया कप के लिए पाक टीम सलमान आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम, साहिबजादा फरहान, सैम आयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सूफियान मोकिम।

लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला पर लोकसभा में हुई चर्चा,विपक्ष का हगामा,आज पीएम से मिल सकते हैं शुभांशु, 25 को लखनऊ आएंगे

लखनऊ। एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला पर लोकसभा में चर्चा हो रही है। स्पीकर ओम बिड़ला ने चर्चा का प्रस्ताव रखा लेकिन विपक्ष का हंगामा 'वोट चोरी' पर जारी रहा। वहीं, शुभांशु आज प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात करेंगे। उनके साथ अपनी अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अनुभवों को साझा करेंगे। एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अमेरिका से भारत आ गए हैं। वह शनिवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शुभांशु का स्वागत किया। लखनऊ से शुभांशु से मिलने पिता शंभु दयाल शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा भी पहुंची हैं। शुचि मिश्रा ने बताया कि भाभी (कामना) बच्चे को लेकर दिल्ली पहले पहुंचीं। वह रात करीब 10 बजे दिल्ली आ गई थीं। इसके करीब 4 घंटे बाद शुभांशु दिल्ली आए। हम लोग नोएडा वाले घर में साथ रुके हैं। शुचि ने बताया- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज (18 अगस्त) हम लोग मिलने जाएंगे। आज ही उनसे मुलाकात का समय तय किया जाएगा। शुभांशु की 21 अगस्त को दिल्ली में प्रेसवार्ता है। उसमें शुभांशु अपनी अंतरिक्ष यात्रा के बारे में देश को बताएंगे।लोकसभा की 2 बजे की कार्यवाही में एस्ट्रोनॉट शुभांशु पर चर्चा शुरू हुई। लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने दोपहर 2 बजे अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा- मुझे यह देखकर पीड़ा हो रही है कि ऐसे वक्त में जब देश में जश्न का माहौल है, देशवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, अंतरिक्ष में भारत के कदम का जश्न मना रहे हैं, विपक्ष इस पर बोल भी नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा- आपकी नाराजगी सरकार से हो सकती है, एस्ट्रोनॉट से कैसे हो सकती है? शुभांशु एयरफोर्स के सिपाही हैं, किसी राजनीतिक दल से ताल्लुक नहीं है। आप धरती से भी नाराज हैं, आकाश से भी नाराज हैं और आज अंतरिक्ष से भी नाराज हैं।एक डॉक्टर होने के नाते ये मनोस्थिति समझ सकता हूं, ये नाराजगी तब होती है, जब आदमी हताश होता है। ये नाराजगी किसी से नहीं अपने आप से होती है। विपक्ष खुद से हताश है। विपक्ष समेत सभी से अपील करूंगा कि अंतरिक्ष यात्रियों के लिए तो चर्चा कर लें।शुभांशु के पिता शंभु दयाल शुक्ल ने बताया कि बेटा 25 अगस्त को लखनऊ आ सकता है। परिवार लंबे समय से उनके लौटने का इंतजार कर रहा था। मां आशा शुक्ला इस वक्त लखनऊ में स्वागत की तैयारियों में लगी हैं और बेहद खुश हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर शुभांशु की पत्नी कामना और बेटे किआश भी मौजूद रहे। एक साल के लंबे इंतजार के बाद परिजनों ने उन्हें गले लगाकर स्वागत किया। पिता शंभुदयाल ने कहा- 'बेटे की वापसी का बेसब्री से इंतजार था- अब घर आकर पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है।'प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुभांशु के लिए एक्स पर पोस्ट किया था। उन्होंने शुभांशु के स्वागत में लिखा- यह भारत और इसरो के लिए गौरव का क्षण! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे संभव बनाने वाली व्यवस्था के प्रति कृतज्ञता का क्षण। भारत का अंतरिक्ष गौरव भारत की धरती को छू रहा है... मां भारती के सपूत गगनयात्री शुभांशु शुक्ला आज तड़के सुबह दिल्ली पहुंच रहे हैं। शुभांशु के साथ एक और कुशल ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी हैं, जो भारत के पहले मानव मिशन गगनयान के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों में से हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस के मिशन के लिए भारत के नामित बैकअप थे। शुभांशु ने केंद्रीय मंत्री के इस पोस्ट का जवाब दिया है। उन्होंने लिखा- 'घर लौटकर निश्चित रूप से अच्छा लग रहा है, धन्यवाद सर।' भारत वापस आने के लिए विमान में बैठते ही मेरे दिल में कई तरह की भावनाएं उमड़ रही हैं। मुझे उन शानदार लोगों को पीछे छोड़कर जाने का दुख है, जो इस मिशन के दौरान एक साल से मेरे दोस्त और परिवार थे। मैं मिशन के बाद पहली बार अपने दोस्तों, परिवार और देशवासियों से मिलने को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि जिंदगी यही है... सबकुछ एक साथ। मिशन के दौरान और बाद में सभी से अविश्वसनीय प्यार और समर्थन मिला। मुझे अपने देश पहुंचने की बेसब्री है। मैं आप सभी के साथ अपने अनुभव साझा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। अलविदा कहना मुश्किल होता है, लेकिन हमें जिंदगी में आगे बढ़ते रहना चाहिए।

मध्य-पूर्व की शांति आगामी तूफानों का संकेत देती है

मध्य-पूर्व आज एक भ्रमित कर देने वाली शांति की स्थिति में है। गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला जैसे उग्रवादी

समूहों और सीरिया में असद शासन के पतन ने इस क्षेत्र के चिरस्थायी तूफानों में क्षणिक विराम ला दिया है। जिन छद्म युद्धों का दायरा तेहरान से बगदाद और दमिश्क होते हुए भूमध्य सागर तक फैला था, वो अब बिखरा हुआ मालूम होता है।यमन के हूती आज इकलौती ऐसी विघटनकारी शक्ति बने हुए हैं, जो लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के लिए खतरा बने हुए हैं, लेकिन उस क्षेत्रीय मोमेंटम के बिना जो कभी ईरान समर्थित रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को परिभाषित करता था।और इसके बावजूद इस स्थिरता के स्थायी रहने की संभावना नहीं है। उलटे यह एक और बड़े, विनाशकारी तूफान का केंद्र हो सकता है। संघर्ष के फिर से उभरने की स्थितियां न केवल बरकरार हैं, बल्कि और बढ़ गई हैं- खासकर इजराइली फौजों द्वारा गाजा में अभूतपूर्व हिंसा और विनाश के बाद। दुनिया ने देखा कि गाजा पर व्यवस्थित रूप से हमला किया गया, रहवासी बस्तियों को तहस-नहस किया गया और हजारों नागरिक मारे गए। इजराइल ने इसके लिए चाहे जिस राजनीतिक या सैन्य उद्देश्य का दावा किया हो, लेकिन जो तस्वीरें और नैरेटिव सामने आए, उन्होंने फिलिस्तीनियों, व्यापक अरब-जगत और मुस्लिम आबादी के बीच क्रोध, निराशा और पीड़ित होने की भावना को जन्म दिया है।गाजा का यह जनसंहार एक नई वैचारिक और उग्रवादी लहर के उभरने का आधार बन सकता है। यह समझना जरूरी है कि मध्य-पूर्व ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां ऐतिहासिक शिकायतें चुपचाप मिट जाती हों। बल्कि यह ऐसा क्षेत्र है, जहां पीढ़ियों तक पीड़ा की भावनाओं को संजोया जाता है और जहां प्रतिशोध लेना सांस्कृतिक मुद्रा और राजनीतिक साधन दोनों है।गाजा युद्ध ने इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को समाप्त नहीं किया, केवल इसके परिदृश्य को बदल दिया है। हमास के सैन्य और राजनीतिक रूप से कमजोर होने के साथ ही अब नए संगठनों के उदय का रास्ता खुल गया है, जो अपने लक्ष्यों और तरीकों में अधिक सुगठित, कट्टरपंथी और संभवतः अधिक अंतरराष्ट्रीय हों।इतिहास एक गंभीर मिसाल पेश करता है। आईएसआईएस का उदय शून्य में नहीं हुआ। यह इराक के सुन्नियों के राजनीतिक हाशिए पर जाने, सद्दाम हुसैन के बाथिस्ट तंत्र के विघटन और कब्जे के घावों से पैदा हुआ था।आईएसआईएस सिर्फ एक आतंकवादी समूह नहीं था, बल्कि एक अर्ध-राज्यीय शक्ति भी थी, जिसने सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया और समांतर युद्ध की वैश्विक समझ को उलट-पुलट कर दिया। आज पूरे क्षेत्र में ऐसे ही तत्व मौजूद हैं : मताधिकार से वंचित युवा, विस्थापित परिवार, पारंपरिक राजनीतिक ढांचों से मोहभंग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा त्यागे जाने की भावना। ये हालात कट्टरपंथ के लिए उपजाऊ हैं।इसके अलावा, गाजा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। विनाश के पैमाने और तीव्रता का अरब-जगत पर खासा प्रभाव पड़ा है। अरब सरकारों ने भले ही सतर्कतापूर्ण या दुविधापूर्ण रुख अपनाया हो, लेकिन जनभावनाएं नाटकीय रूप से भड़क उठी हैं।प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान और भूमिगत समर्थन नेटवर्क, सभी में तेजी से वृद्धि हुई है। यह राज्य की नीतियों- जो अक्सर व्यावहारिक राजनीति और विदेशी गठबंधनों द्वारा तय होती हैं- और उनकी जनता की नब्ज के बीच मौजूद एक बड़े अंतर को दर्शाता है।

क्या है आपके पिया का टाइटल- परफेक्ट, कम्प्लीट या 'होल मैन'?

युगों से पूरी दुनिया में महिलाएं अपने पार्टनर के तौर पर एक 'परफेक्ट मैन' की तलाश में रहती हैं। फिर एक टेक्सटाइल कंपनी आई, जिसने उसके उत्पाद पहनने वाले पुरुषों को 'कम्प्लीट मैन' की श्रेणी में प्रदर्शित करना शुरू किया। लेकिन विश्व में महिलाएं अपनी पसंद को लेकर इससे आगे निकल चुकी हैं। अब वे अपने पार्टनर के रूप में एक 'होल मैन' चाहती हैं। दुनिया भर में कई महिलाओं के लिए यह एक नया ट्रेंड बन गया है कि वे अपनी दोस्तों के बीच गुप्त रूप से अपने पति के बारे में इस नए टाइटल से बात करती हैं। पहला गुण, जो उनमें नहीं होता, वो यह है कि वे इस विचार में विश्वास नहीं करते कि 'यदि आप अपनी श्रेष्ठता नहीं दिखा रहे हैं तो आप लूजर हैं।' उन्हें लगता है कि यह सोच अपने आप में बकवास है और पुरुषत्व को बढ़ावा देने वाले लोग इसे बचपन से ही थोप देते हैं। तो 'होल मैन' का मतलब क्या है? कुल मिलाकर, वह अधिकांश अच्छे मानवीय गुणों वाला सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति है। वह मजबूत है, लेकिन चोट खाने से नहीं डरता। वह अपने रोजमर्रा के जीवन में स्मार्ट है। कभी-कभी मजाकिया भी और अन्य जीवों के प्रति दयालु है। जरूरत के मुताबिक भावुक और सहायक है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर मजबूत भी है। समूह में वह मृदु स्वभाव वाले, किंतु सबसे मजबूत हैं। वे दूसरों को रुलाकर खुद को बड़ा दिखाने के बजाय दूसरों को सहज महसूस कराते हैं। यहां 'होल मैन' की ऐसी कुछ चुनिंदा खासियतें पेश हैं, जिन्हें महिलाएं अपने पुरुषों में देखना चाहती हैं। 1. वे लेखकों, गायकों, स्टैंड-अप कॉमेडियनों के कार्यक्रमों, पॉडकास्टरों के टॉक शो में शामिल होते हैं। खासतौर पर उनमें जो महिलाओं द्वारा आयोजित किए जाते हों। वे यह नहीं मानते कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद नहीं आएगा, क्योंकि यह महिलाओं द्वारा बनाया गया है। वे लिफ्ट में महिलाओं को पहले जाने देते हैं। जिस जगह भी हों, महिलाओं के लिए दरवाजा खोलते हैं। 2. 'होल मैन' की कई महिला मित्र होती हैं, और वे उन्हें मजाक का पात्र नहीं बनाते। उन्हें इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी पत्नियों के भी कई पुरुष मित्र हैं। वे दोस्तों के सामने अपने पार्टनर को नीचा नहीं दिखाते। 3. वे किसी विशेष खेल को पसंद करते हैं और उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि इसे पुरुष खेल रहे हैं या महिलाएं। उदाहरण के लिए, वे ऐसी डींगें नहीं मारते कि उन्हें पुरुष क्रिकेट के बारे में छोटे-छोटे आंकड़े भी पता हैं। और इस बात से भी अनजान नहीं रहते कि महिला क्रिकेट टीम की कप्तान कौन है। 4. कामकाज में वो महिला अधिकारी की असहमति से घबराते नहीं हैं। वॉशरूम में महिला बॉस के बारे में शिकायत या अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करते। अगर गलती हो जाती है तो वे इसे स्वीकार कर माफी मांग लेते हैं, बिना यह देखे कि कौन उन्हें देख रहा है या वह किसके सामने माफी मांग रहे हैं। 5. उन्हें इस बात का कोई पुरस्कार नहीं चाहिए कि वे बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं, उनके स्पोर्ट्स-डे पर जाते हैं या बिना सूचना के होने वाली 'डैड्स रेस' में हिस्सा लेते हैं। वे यह सब अपने बच्चों की खुशी के लिए करते हैं। मेरे लिए ये 'होल मैन' कई जगह हैं, लेकिन उन्हें इस बात का पर्याप्त श्रेय नहीं मिलता कि वे गृहस्थी को सुचारु रूप से चला रहे हैं। काम पर शांत और जानकार बनकर, सड़कों पर सभ्य और सम्मानजनक रहकर, ट्रेनों और बसों में 'मैनस्प्रेडिंग' (पास की सीट पर अतिक्रमण) नहीं करके, और घर पर सभी का सहयोग करके। हां, अधिकतर 'होल मैन' में एक सबसे बड़ी कमी होती है, जो आमतौर पर महिलाओं को खटकती है। वे कपड़े धोना नहीं जानते। हां, वे वॉशिंग मशीन को कपड़े के हिसाब से सेट नहीं कर पाते। सूखे कपड़ों को बिना सिलवटों के स्टैंड पर नहीं टांग सकते, और सूखे कपड़ों की तह भी नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे चिकित्सकीय तौर पर ऐसा करने के लिए लगभग अक्षम होते हैं। खासकर, अपने साथी की पसंद के अनुरूप। फंडा यह है कि चाहे 'होल मैन' को पार्टनर के रूप में पाना गर्व की बात हो, लेकिन भारतीय संस्कृति में रची-बसी महिलाएं हमेशा से एक 'होल फैमिली' (पूर्ण परिवार) का सपना देखती हैं। इसलिए, इसको ऐसा भी कह सकते हैं- भारतीय महिलाएं केवल 'होल मैन' के बजाय 'होल फैमिली' पसंद करती हैं।'

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया।

चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं। बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेजेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ़्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं। इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए।

राज्यसभा सभापति खिलाड़ी नहीं, अम्पायर की तरह हों

चौदह साल पहले दिल्ली की वो उमस भरी सुबह मुझे आज भी याद है। जीवन में पहली बार मैं संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति से मिला था। वे तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। वह संसद में मेरा पहला दिन भी था। शपथ-ग्रहण के बाद उन्होंने पहली बार सांसद बने हम कुछ नेताओं को कॉफी पर बुलाया। बातचीत चलती रही। जब उन्होंने देखा कि गपशप करते हुए 15 मिनट से अधिक हो गए हैं, तो उन्होंने हमें चर्चा जारी रखने के लिए अपने घर पर बुलाया। हम कुछ दिनों बाद उनके घर भी गए। यह हमारे लिए रोमांचक था कि दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने हम जैसे नए सांसदों से मिलने के लिए समय निकाला। एक राजनयिक के रूप में हामिद अंसारी का लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा था। वे भारत सरकार के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब में राजदूत रहे थे। फिर वे भारत के 12वें उपराष्ट्रपति बने। कोलकाता में जन्मे अंसारी के बारे में जो बात कम ही लोग जानते हैं, वो ये है कि वे अपने कॉलेज के लिए मध्य क्रम के विकेटकीपर-बल्लेबाज भी थे। वास्तव में ईरान में राजदूत रहते हुए उन्होंने भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के लिए क्रिकेट शुरू करवाया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ईरान में इस खेल को लोकप्रिय बनाया। राज्यसभा के सभापति के तौर पर अंसारी ने विधान-परिषदों में कई इनोवेशन किए। संसद-सत्र के दौरान अंसारी रोज सुबह 10:30 से 10:55 तक कॉफी मीटिंग करते थे। सदन के नेताओं के साथ इस अनौपचारिक बातचीत से सत्तापक्ष और विपक्ष को दिन भर की कार्यवाही में सामंजस्य बनाने में मदद मिलती थी। सभापति के तौर पर अंसारी का एक नियम अटल था : कोई भी विधेयक हंगामे के बीच पारित नहीं होगा। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि तत्कालीन सरकार कोई भी कानून जबरन नहीं थोप सकती थी। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समय में बदलाव का पूरा श्रेय भी अंसारी को ही जाना चाहिए। बीते छह दशकों से प्रश्नकाल सुबह 11 बजे शुरू होता आ रहा था। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शून्यकाल होता था। अंसारी को लगा कि प्रश्नकाल अकसर हंगामे की भेंट चढ़ता है, क्योंकि सदस्य दिन की शुरुआत में ही महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं। 2014 में अंसारी ने इसमें बदलाव किया। अब राज्यसभा में पहले 11 बजे से शून्यकाल होता है, जिसमें सदस्य तात्कालिक जनहित के मुद्दे उठाते हैं। 12 बजे से प्रश्नकाल शुरू होता है। अंसारी के दृष्टिकोण को इस कथन से समझा जा सकता है- 'राज्यसभा का सभापति खिलाड़ी नहीं, बल्कि अम्पायर हैष्ठ यदि आप खिलाड़ी बनते हैं तो पक्षपाती हो जाते हैं।' सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली में सुखद जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। दूसरे जिन उपराष्ट्रपति के सम्पर्क में मुझे आने का सौभाग्य मिला, वे थे वेंकैया नायडू। एक अनुभवी सांसद, जो ग्रामीण विकास, शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, सूचना और प्रसारण के साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री भी रहे थे। इतिहास नायडू के प्रति उदार रहेगा, क्योंकि उन्होंने 20 सितम्बर 2020 को उस दिन सदन की अध्यक्षता नहीं की थी, जब विवादित कृषि कानून जबरन पारित कराए गए थे। शायद इसलिए क्योंकि वे कृषक-परिवार में जन्मे थे।उनका चैम्बर हो या सदन, दोनों ही जगह नायडू हर किसी से एक ही लहजे में बात करते थे- फिर चाहे वे सत्तापक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के। यह सराहनीय है। जब भी वे हमें उपराष्ट्रपति भवन में भोजन पर आमंत्रित करते थे तो वहां मिलने वाले आंध्रप्रदेश के स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नायडू को भी बराबर का श्रेय जाता है। एक बार उन्होंने कहा था कि भले ही वे बाहर सभापति होंगे, लेकिन घर में उनका भी एक गृहमंत्री है।नायडू को चुटीले 'वन लाइनर' बहुत पसंद थे। एक बार जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा रहे थे तो उन्होंने कहा था- 'लर्न, अर्न एंड रिटर्न'। यानी सीखना, कमाना और फिर लौट आना। जब उनसे राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा वे 'उषापति' बनकर ही खुश हैं।उनकी पत्नी का नाम उषा है। उनका एक और मशहूर कथन था- 'द लेफ्ट कैन नेवर बी राइट'। नायडू का हास्यबोध जितना अच्छा था, वे उतने ही भावुक भी थे। जब भावनात्मक मुद्दों पर चर्चा होती, उनकी आंखें नम हो जाया करती थीं।

अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच पीएम बोले- स्वदेशी अपनाओ,कहा- व्यापारी विदेशी छोड़ मेड इन इंडिया प्रोडक्ट बेचें,डबल बोनस पर बताया.. द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली के रोहिणी में देश के पहले 8 लेन एलिवेटेड हाईवे द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों से 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने को कहा। मोदी मंच से बोले- 'भारतीय हैं तो भारत में बना सामान ही खरीदें। दिवाली पर भी वही सामान खरीदें, जो भारतीयों ने भारत में बनाया है। व्यापारी भी विदेशी सामान छोड़कर लोकल सामान बेचें।' पीएम का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर खींचतान चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में रूस से तेल आयात को लेकर भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25फीसदी शुल्क लगाने का ऐलान किया है। 25फीसदी टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो चुका है, जबकि अतिरिक्त 25फीसदी टैरिफ 27 अगस्त से लागू करने का ऐलान किया गया है। ऐसे में प्रधानमंत्री के इस संदेश को स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और विदेशी दबाव के बीच 'मेड इन इंडिया' को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी की 6 अहम बातें- मोबाइल निर्माण में आत्मनिर्भर भारतः पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल पहले भारत अपनी जरूरत के फोन बाहर से मंगाता था, लेकिन अब देश में ही हर साल 30 से 35 करोड़ मोबाइल फोन बनाए जा रहे हैं और उन्हें निर्यात भी किया जा रहा है। यह बदलाव भारत की उत्पादन क्षमता और 'मेक इन इंडिया' की सफलता को दिखाता है। व्यापारी विदेशी सामान छोड़ेंः प्रधानमंत्री ने अपील की कि व्यापारी विदेशी सामान बेचना छोड़ें और 'मेड इन इंडिया' के उत्पाद पूरे गर्व से बेचें। उन्होंने कहा कि पहले व्यापारी ज्यादा मुनाफे के लिए विदेशी सामान लाते थे, लेकिन अब समय आ गया है कि वे लोकल प्रोडक्ट्स को बढ़ावा दें। खिलौनों से लेकर एक्सपोर्ट तक बदली तस्वीरः पीएम ने आगे कहा कि एक दशक पहले तक भारत खिलौने भी बाहर से मंगाता था। आज हालात बदल चुके हैं और देश 100 से अधिक देशों में खिलौने निर्यात कर रहा है। उन्होंने कहा की यह बदलाव इस बात का सबूत है कि भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और दुनिया को लोकल प्रोडक्ट्स से जोड़ रहा है। दिवाली पर डबल बोनस मिलेगाः मोदी ने कहा- जीएसटी में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म होने जा रहा है। दिवाली पर डबल बोनस मिलने वाला है। इसका पूरा प्रारूप राज्यों को भेज दिया है। इसका फायदा सभी को होगा। यूपीए सरकार में सिर्फ फाइलें चलती थींः पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान फाइलें चलती थीं, लेकिन उन पर काम हमने किया। जब केंद्र में राज्यों में भाजपा की सरकारें बनीं तो विकास शुरू हुआ। संविधान सिर पर रख नाचने वाले इसे कुचलते थेः मोदी ने कहा- जो लोग संविधान सिर पर रखकर नाचते हैं, वही उसे कुचलते भी थे और बाबा साहब की भावनाओं से विश्वासघात करते थे। आज जो संविधान की बात करते हैं, इन्होंने जमकर लोगों का शोषण किया।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर 6 अगस्त को 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए थे। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया था कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय इस कार्रवाई को गलत बता चुका है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50फीसदी तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा

होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। कार्यक्रम में पहुंचने से पहले पीएम मोदी द्वारका एक्सप्रेसवे पर पहुंचे। वहां उन्होंने एक्सप्रेसवे पर काम करने वाले मजदूरों से बात कर उनके अनुभव जाने। इसके बाद अधिकारियों से प्रोजेक्ट की जानकारी ली। इसके बाद रोहिणी से लेकर बक्करवाला तक रोड शो किया। इस दौरान पीएम ने हाईवे के दोनों किनारों पर खड़े लोगों का गाड़ी से बाहर निकलकर अभिवादन भी किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और हरियाणा के सीएम नायब सैनी भी मौजूद रहे।एक दशक पहले तक हम खिलौने भी बाहर से मंगाते थे, लेकिन हमने लोकल फॉर वोकल का संकल्प लिया और आज 100 से अधिक देशों में हम खिलौने भेजते हैं। मैं आपसे अपील करता हूं कि आप भारतीय हैं, इसलिए भारत में बने सामान को ही खरीदें। आप तय करें वही लेना है जो भारत में बना हो। होगा कोई समय, जब विदेश में बना सामान हमारे व्यापारियों ने इसलिए बेचा होगा कि उन्हें प्रॉफिट ज्यादा मिलता होगा, लेकिन आपने जो अब तक किया उसे छोड़कर लोकल फॉर वोकल पर फोकस करना चाहिए। मेरा आग्रह है कि आप व्यापारी मेड इन इंडिया का सामान पूरे गर्व से बेचिए। कुछ दिन पहले ही देश को नया कर्तव्य पथ मिला है, नई संसद मिल चुका है। भारत मंडपम मिला है। दिल्ली को विदेश कारोबार के लिए बेहतरीन स्थान बना रही है। हमारी दिल्ली जल्द ही दुनिया की बेहतरीन राजधानी बनकर उभरेगी। पीएम मोदी ने कहा- भारत की बहुत बड़ी शक्ति हमारी प्राचीन संस्कृति है। हमारी धरोहर है, ये जीवन दर्शन है, जीवंत दर्शन है। इसी जीवंत दर्शन में चक्रधारी मोहन और चरखाधारी मोहन दोनों का दर्शन होता है। हम समय समय पर दोनों की अनुभूति करते हैं। चक्रधारी मोहन यानी श्रीकृष्ण, जिन्होंने सुदर्शन चक्र की हमे अनुभूति कराई। और चरखा धारी मोहन यानी महात्मा गांधी । भारत को सशक्त बनाने के लिए हमे चक्रधारी मोहन से सीखना है और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमे चरखी धारी मोहन से सीखने की जरूरत है। मैं इसका उदाहरण देता हूं, खादी खत्म होने के कगार पर पहुंच गई थी, जब हमारी सरकार बनी तो हमने इसकी बिक्री सात गुना बढ़ा दी। लोगों ने वोकल फॉर लोकल के साथ इस सोच को आगे बढ़ाया। ग्यारह साल पहले हम अपनी जरूरत के फोन बाहर से मंगाते थे, लेकिन आज हम देश में बना रहे हैं। आज हम हर साल 30-35 करोड़ मोबाइल फोन बना रहे हैं, और उन्हें बाहर भी भेज रहे हैं। पीएम ने कहा- हमारे लिए सुशासन का मतलब है। जिसका हम विस्तार कर रहे हैं। आने वाले समय में ये हम लगातार जारी रखने वाले हैं। इसी कड़ी में जीएसटी में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म होने जा रहा है। दीवाली में डबल बोनस मिलने वाला है। हमने इसका पूरा प्रारूप राज्यों को भेज दिया है। मैं आशा करता हूं कि सभी राज्य सरकार का सहयोग करेंगे। जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को पूरा करेंगे, ताकि ये दीपावली और शानदार बन सके। इसका फायदा हर परिवार को होगा। गरीब और मिडिल क्लास को होगा। पीएम ने कहा- लंबे समय तक इन्होंने सरकारें चलाई हैं, उनके लिए जनता पर शासन करना ही उद्देश्य था। पहले क्या स्थिति थी इसका उदाहरण देता हूं, दिल्ली में हमारे जो साफ सफाई में जुटे साथी हैं, ये सभी दिल्ली में बहुत बड़ा दायित्व निभाते हैं, इन्हें सैल्यूट करना चाहिए। पहले ही सरकारों ने इन्हें गुलाम समझ रखा था, ये जो लोग सर पर संविधान रखकर नाचते हैं न, ये कैसे संविधान को कुचलते थे। ये बाबा साहब की भावनाओं को दगा देते थे। मैं इसकी सच्चाई बताता हूं आप सुनकर दंग रह जाएंगे। दिल्ली में पहले इन सफाई कर्मियों में एक खतरनाक कानून था, यदि कोई सफाई मित्र बिना बताए काम पर नहीं आता तो उसे एक महीने में जेल के लिए डाला जा सकता था। आप बताइए, खुद सोचिए सफाई कर्मियों को लोग क्या समझते थे। आप जेल में डाल देंगे, एक छोटी सी गलती के कारण। आज जो संविधान की बात करते हैं इन्होंने जमकर लोगों का शोषण किया।इश मोदी ने कहा- पहले की सरकारों में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बजट कम होता था, लेकिन हमने छह गुना तक बजट बढ़ा दिया है। अब योजनाओं को तेजी से शुरू करने पर हमारी सरकार फोकस कर रही है। ये जो इतना सारा पैसा लग रहा है, ये परियोजनाएं बहुत बड़ी संख्या में रोजगार भी बना रही हैं। इसमें लेबर से लेकर इंजीनियर तक लाखों साथियों को काम मिलता है।गुड गर्वनेंस भाजपा सरकारों की पहचान है। भाजपा की सरकार के लिए जनता जर्नादन ही सर्वोपरि है, आपके पास ही हमारा कमांड है। हमारा काम है जनता के जीवन को आसान बनाएं। हरियाणा में एक समय कांग्रेस सरकारों का था, जब बिना पर्ची खर्ची के एक नियुक्ति मिलना मुश्किल था, लेकिन अब की सरकार ने पूरी पारदर्शिता के साथ युवाओं को नौकरी दी। नायब सैनी के नेतृत्व में ये काम चल रहा है। आज देश की बात करूं तो बीते ग्यारह सालों में देश में रिकॉर्ड सड़कें बनी हैं। रेलवे स्टेशन बनी हैं। छोटे छोटे शहरों में एयरपोर्ट बन रहे हैं। ये तभी संभव हुआ है जब आज की सरकार ने पुराने तौर तरीकों को बदला है। जो विकास होना चाहिए था, वह अतीत की सरकारों में नहीं हुआ। यूपीए सरकार के दौरान फाइलें चलती थीं, लेकिन उन पर काम हमने किया। जब केंद्र में राज्यों में भाजपा की सरकारें बनीं तो विकास शुरू हुआ। पीएम ने कहा- लंबे अरसे के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। हम देखते हैं कि दिल्ली की पिछली सरकारों ने दिल्ली को बर्बाद किया। मैं जानता हूं कि भाजपा की नई सरकार को दिल्ली को उबारने में काफी समय लगेगा। पहले तो गड?ढा भरने में टाइम जाएगा फिर कुछ काम दिखेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि पिछले दशकों की समस्याओं को दिल्ली को बाहर ये सरकार निकालेगी। पीएम मोदी ने कहा- हमारी सरकार हर परेशानी से दिल्ली वालों को मुक्त करने जा रही है। मुझे खुशी है कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की भाजपा सरकार यमुना जी की सफाई में लगातार डटी हुई है। अब तक यमुना से सोलह लाख मीट्रिक टन कचरा हटा चुकी है। बहुत कम समय में ही दिल्ली में साढ़े छह सौ ईवी इलेक्ट,कि बसें शुरू की गई हैं। भविष्य में ईवि बसें दो हजार का आंकड़ा पार कर जाएंगी। पीएम ने कहा- ये दोनों सड़कें शानदार बनी हैं। पैरीफेरी एक्सटेंशन के बाद अब दिल्ली अर्बन एक्सटेंशन को बहुत जल्दी सुविधा मिलने वाली है। अर्बन एक्सटेंशन रोड बनाने में लाखों टन कचरा काम में लाया गया है, यानी कूड़े के पहाड़ को कम करके सड़क बनाने में किया गया है। वैज्ञानिक तरीके से यूज किया गया है।पीएम ने कहा-केंद्र की सरकार ने इसके लिए अलग अलग स्तर पर काम किया है। हमने दस सालों में अभूतपूर्व विकास किए हैं। दिल्ली एनसीआर में मेट्रो के मामले में दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो मार्केट हैं। ग्यारह सालों में दिल्ली एनसीआर में आना जाना पहले के मुकाबले आसान हुआ है। साथियों, दिल्ली को बेहतरीन शहर बनाने का जो बीड़ा हमने उठाया है, वह जारी है। आज भी हम सभी इसके साक्षी बने। पीएम नरेंद्र मोदी ने संबोधन के शुरुआत में कहा- एक्सप्रेस वे का नाम द्वारिका, जहां ये कार्यक्रम हो रहा है उस स्थान का नाम रोहिणी, जन्म अष्टमी का उल्लास, संयोग से मैं भी द्वारिकाधीश की भूमि से हूं। पूरा माहौल कृष्ण मय हो गया है। उन्होंने कहा- अगस्त का ये महीना आजादी के रंग में क्रांति के रंग में रंगा होता है। आजादी के इसी महोत्सव के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली देश में हो रही, विकास क्रांति की साक्षी बन रही है। थोड़ी देर पहले, दिल्ली को द्वारिका एक्सप्रेस वे और अर्बन एक्सटेंशन रोड की कनेक्टिवटी मिली। इससे दिल्ली के गुरुग्राम के पूरे एनसीआर के लोगों की सुविधा बढ़ेगी। इससे आना जाना आसान होगा। सभी का समय बचेगा। जो व्यापारी-कारोबारी वर्ग है, जो हमारे किसान हैं, उनको विशेष लाभ होने वाला है। दिल्ली एनसीआर के सभी लोगों को इस आधुनिक सड़कों के लिए बहुत बहुत बधाई देता हूंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोहिणी के कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का उद्घाटन किया।केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- कई और भी ऐसी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनके शुरू होने से देहरादून, उत्तर प्रदेश के कई शहरों का दिल्ली तक का सफर आसान होगा और समय भी कम लगेगा। मुझे विश्वास है हमने जो दिल्ली के लिए प्रोजेक्ट शुरू किए हैं, उन्हें हम जल्द ही पूरा कर लेंगे। दिल्ली से देहरादून का सफर दो घंटे में होगा। वह इसी साल पूरा होगा। दिल्ली से कटरा हम छह घंटे में पहुंचेंगे। ये प्रोजेक्ट दिसंबर 2026 में पूरा हो जाएगा। दिल्ली में आबादी बढ़ रही है, इसके लिए हमे विश्वस्तरीय इसे बनाना होगा। हमारे प्रधानमंत्री देश को विकसित भारत का संकल्प लिया है, जिसको हमे पूरा करना है। दिल्ली के लोगों की जो अपेक्षा है, उसके लिए हमारा विभाग हर स्तर पर करेगा।गडकरी ने कहा- हमारे अधिकारियों ने आज काम जो किया है, वह बहुत अच्छा किया है। यदि काम अच्छा नहीं होता तो मैं नाराज भी होता। मैंने आज निरीक्षण किया, लेकिन काम अच्छा हुआ है। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद देता हूं। इन परियोजनाओं से दिल्ली और हरियाणा के लोगों को काफी लाभ होगा। इससे आधी दिल्ली को जाम से मुक्ति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने जो रोड मैप दिया है उसमें लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करने के लिए कहा गया है। इसके लिए हम आईआईटी की मदद ले रहे हैं। इन्होंने अध्ययन किया है और बताया है कि हमारे देश में लॉजिस्टिक कास्ट में छह प्रतिशत की कमी आई है। कई और भी ऐसी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनके शुरू होने से देहरादून, उत्तर प्रदेश के कई शहरों का दिल्ली तक का सफर आसान होगा और समय भी कम लगेगा।केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- मुझे दिल्ली आने में 4 घंटे लगते थे, लेकिन आज मैं 45 मिनट में पहुंचा हूं। ये जो छह परियोजनाएं हैं, ये 2001 से प्रस्तावित हैं, लेकिन पिछली दिल्ली की सरकारों ने काम नहीं किया। मनोहर लाल जी जब मुख्यमंत्री थे, जो हरियाणा दिल्ली को जोड़ने वाले द्वारिका एक्सप्रेस वे का काम हमने हाथ में लिया। इन परियोजनाओं को बनाने में काफी दिक्कतें आईं, लेकिन हरियाणा सरकार और दिल्ली सरकार के सहयोग के कारण हम इसे पूरा कर पाए। इसकी क्वालिटी की ओर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। इसकी जो डिजाइन आई थी वह पच्चीस साल की थी, लेकिन हमने इसे रिजेक्ट किया और नए डिजाइन पर काम शुरू किया।केंद्रीय मंत्री परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- आज का दिन विशेष रूप से हमारे विभाग के लिए बड़ा अभिमान का विषय है। प्रधानमंत्री ने 2014 में सरकार बनने के बाद हमारे विभाग की मीटिंग ली, वहां उन्होंने निर्देश दिया कि हमारी सड़कें विश्वस्तरीय हों। उस समय दिल्ली की स्थिति अच्छी नहीं थी। पूरी दिल्ली जाम रहती थी। इसी के कारण हमने इन सब समस्याओं का अध्ययन किया। हमने दिल्ली को विश्वस्तरीय राज्य बनाने का संकल्प लेकर काम शुरू किया। मुझे खुशी है कि पहले ही दिन 65 हजार करोड़ रुपए लेकर काम शुरू किया। आज 48 हजार के काम पूरे हो चुके हैं। हालांकि बहुत मुश्किलें आईं, लेकिन हमे सहयोग मिला। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने भी साथ दिया।सीएम नायब सैनी ने कहा- आपने हरियाणा को 21 नए नेशनल हाईवे दिए हैं, जिनमें से 12 बन चुके हैं। आज हरियाणा का हर जिला राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ चुका है। आपके नेतृत्व में हरियाणा उत्तर भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बनकर उभरा है। मैं आपका प्रदेश वासियों की ओर से हरियाणा सरकार की ओर से केंद्र सरकार के द्वारा दिए जाने वाला सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूं।

बिहार में 'वोट अधिकार यात्रा', खुली गाड़ी में राहुल-तेजस्वी,लालू बोले-बीजेपी को उखाड़ फेंकना है, राहुल ने कहा-ये संविधान बचाने की लड़ाई

सासाराम। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर, सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट

रिवीजन) के खिलाफ राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' सासाराम से शुरू हुई। यहां के सुआरा हवाई अड्डा ग्राउंड में हुई जनसभा में राहुल बोले, 'ये संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में बीजेपी-आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं।' 'जहां भी चुनाव होता है, ये जीतते हैं। महाराष्ट्र में ओपिनियन पोल कह रहे थे, महागठबंधन चुनाव जीतेगा। लोकसभा में महागठबंधन जीतता है, लेकिन 4 महीने में उसी क्षेत्र में हम हारते हैं। हमने पता लगवाया तो पता चला 1 करोड़ नए वोटर जादू से पैदा हो गए।' 'बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी क्योंकि गरीब-कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है। आयोग जो कर रहा है, वो सबको पता है। इलेक्शन कमीशन को हम ये नहीं करने देंगे। नरेंद्र मोदी जी और एनडीए अरबपतियों के साथ सरकार चलाती है। आप का पूरा धन 5-6 अरबपतियों को दिया जाता है।' कई दिनों बाद किसी जनसभा में शामिल हुए राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा- 'चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर भाजपा को सत्ता में आने नहीं देना है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सभी मिलकर बीजेपी को उखाड़कर फेंकिए।'

दावा-रूस ने अबतक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया,इन्हें ब्रेनवॉश करके यूक्रेन के खिलाफ ही जंग लड़ने भेजा जा रहा

कीव। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से रूस ने अब

तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है। वहीं, येल यूनिवर्सिटी के रिसर्च ग्रुप ने पब्लिक डेटाबेस और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसे 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है। एसबीयू ने ऐसी करीब 150 जगहों का पता लगाया है, जहां इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है। संयुक्त राष्ट्र इन बच्चों की किडनैपिंग को वॉर क्राइम करार दे चुका है। वहीं नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट इस मामले में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को 'वॉर क्रिमिनल' घोषित करके उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है। बीते कुछ महीनों में ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत में जेलेंस्की ने बार-बार गुमशुदा बच्चों का मुद्दा उठाया है। मई में अमेरिकी सीनेट के एक ग्रुप ने भी एक प्रस्ताव पेश कर कहा था कि रूस के साथ किसी भी शांति समझौते को अंतिम रूप देने से पहले सभी यूक्रेनी बच्चों की वापसी तय होनी चाहिए।जंग शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख यूक्रेनी बच्चे को पलायन करना पड़ा है। इससे बच्चों के शिक्षा संबंधी और अन्य अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा उन 16 लाख बच्चों को सबसे ज्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है, जो यूक्रेन के उन हिस्सों में रह रहे हैं, जिन पर अब रूस का कब्जा है। रूस ने यूक्रेन के करीब 20फीसदी हिस्से, यानी लगभग 1 लाख 14 हजार 500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर रखा है। इसमें क्रीमिया, डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन, और जापोरिजिया जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत-अमेरिका बिजनेस डील टल सकती है,छठे दौर की बातचीत के लिए ट्रम्प की टीम को भारत आना था,डेयरी प्रोडक्ट्स पर है विवाद

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत टल

सकती है। यह 25 से 29 अगस्त को होने वाली थी। PTI के मुताबिक अब यह बैठक बाद में होने की संभावना है। अब तक इस समझौते के लिए पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है, छठे दौर के लिए अमेरिकी टीम को भारत आना था। इससे पहले अमेरिका ने 6 अगस्त को भारत पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा थी। अमेरिका कृषि और डेयरी क्षेत्रों में अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है, लेकिन भारत इससे इनकार कर चुका है। भारत ने साफ कहा है कि वह किसानों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। दोनों देश सितंबर-अक्टूबर 2025 तक बीटीए के पहले चरण को पूरा करने की योजना बना रहे हैं।अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं।भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई हैं। अमेरिका में गायों को बेहतर पोषण के लिए जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) को उनके खाने में मिलाया जाता है। भारत ऐसी गायों के दूध को 'नॉन वेज मिल्क' यानी मांसाहारी दूध मानता है।स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वदेशी' उत्पादों को बढ़ावा देने और किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों की रक्षा करने का संकल्प दोहराया था। उन्होंने कहा, 'भारत अपने किसानों और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।' भारत और अमेरिका का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई 2025 में भारत का अमेरिका को निर्यात 21.64फीसदी बढ़कर 33.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 12.33फीसदी बढ़कर 17.41 अरब डॉलर रहा। अमेरिका इस दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा, जिसके साथ 12.56 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। अप्रैल से भारत का अमेरिका को निर्यात लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच शुक्रवार देर रात को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच यूक्रेन मुद्दे पर अलास्का में बैठक हुई। इस बैठक से उम्मीद थी कि दोनों देशों के बीच तनाव कम होने से भारत पर अतिरिक्त शुल्क में राहत मिल सकती है। ट्रम्प ने कहा, 'अगर मुझे प्रतिबंध लगाना पड़ा, तो मैं लगाऊंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा न करना पड़े।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत रूस से लगभग 40फीसदी तेल खरीदता है, भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ से रूस से अपना बड़ा ग्राहक खो दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर 6 अगस्त को 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगेगा।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट,एक जवान शहीद, 3 जख्मी,सर्चिंग पर निकली थी डीआरजी की टीम, पैर रखते ही फटा प्रेशर आईईडी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से डीआरजी का एक जवान शहीद हो गया है। जबकि 3 जवान घायल हैं। रविवार सुबह डीआरजी की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर सर्चिंग पर निकली थी। इसी दौरान पैर रखते ही ब्लास्ट में डीआरजी का जवान दिनेश नाग (38) शहीद हो गया। घटना भोपालपट्नम थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, 17 अगस्त को बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में डीआरजी की टीम नक्सली विरोधी अभियान पर निकली थी। सर्चिंग के दौरान भोपालपट्नम इलाके के उल्लूर के जंगल में 18 अगस्त की सुबह आईईडी ब्लास्ट हो गया।जबकि 3 जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है। शुरुआती इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जगदलपुर रेफर किया जा सकता है। पुलिस अफसरों ने बाद में विस्तार से जानकारी देने की बात कही है। 6 अगस्त को 1 नक्सली ढेर- बता दें कि इससे पहले बीजापुर

जिले में 6 अगस्त को जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर किया था। मारे गए नक्सली का शव और हथियार बरामद कर लिया गया था। मामला गंगालूर थाना इलाके का है। वहीं बीजापुर में एनकाउंटर के डर से एक महिला नक्सली समेत 9 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। 9 नक्सलियों में से 6 नक्सलियों पर 24 लाख रुपए का इनाम घोषित हैं। इनमें एक नक्सली 8 लाख और दो 5-5 लाख के साथ तीन नक्सली 2-2 लाख रुपए के इनामी हैं। 26 जुलाई को मारे गए थे 17 लाख के 4 इनामी- इसके पहले बीजापुर जिले के बासागुड़ा इलाके में 26 जुलाई की शाम 17 लाख रुपए के इनामी 4 नक्सली मारे गए थे। इनमें 2 महिला और 2 पुरुष नक्सली शामिल हैं। सभी के शव, इन्सास,एसएलआर समेत बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक जिले के दक्षिण-पश्चिमी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। एनकाउंटर में 4 हार्डकोर नक्सली मारे गए थे।इसके पहले 18 जुलाई को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में जवानों ने 6 नक्सलियों का एनकाउंटर किया था। मुखबिर की सटीक सूचना पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम सर्चिंग पर निकली थी। जहां फोर्स ने माओवादियों को घेर कर मार गिराया।बारिश के मौसम में भी नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन मानसून जारी है।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की लाश नीले-ड्रम में छिपाईःमकान मालकिन बोलीं- किराए पर रहती थी, 7 दिन पहले मुझसे ही ड्रम लेकर गई थी

खैरथल/अलवर। 'सात-आठ दिन पहले हंसराम (मृतक) की पत्नी मेरे पास आई और नीला ड्रम मांगा। मैंने पूछा क्यों चाहिए। उसने कहा- तीन दिन में पानी आता है, इसलिए स्टोर करने के लिए चाहिए। मेरे घर में बहुत सारे ड्रम थे। मैंने दे दिया। भला मुझे क्या पता थी कि मेरे घर में किसी के मर्डर की साजिश रची जा रही है।' इतना भर कहते-कहते 60 साल की मिथिलेश (मकान मालकिन) के चेहरे का रंग उड़ जाता है। राजस्थान के खैरथल-तिजारा में नीले ड्रम में लाश मिलने के बाद मेरठ की घटना याद आ रही है। मेरठ में भी पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। लाश के टुकड़े ड्रम में डाल दिए थे। पुलिस को सबसे पहले खबर देने वाली मिथिलेश (आरोपी की मां) ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए।डीएसपी राजेंद्र सिंह निर्वाण ने बताया- उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के नवादिया नवाजपुर निवासी हंसराम उर्फ सूरज की लाश मिली है। 17 अगस्त को मकान की छत से बदबू आने पर मकान मालिक राजेश शर्मा की पत्नी मिथलेश ने पुलिस को कॉल किया था। मौके पर पहुंचे तो छत पर बने कमरे में नीला ड्रम रखा था। इसमें शव पड़ा मिला। शव पर नमक डाल रखा था। हंसराम का धारदार हथियार से गला काटा गया था। राजेश शर्मा के घर के अंदर जाने लगे तो राजेश शर्मा की पत्नी मिथिलेश (60) ने गेट पर ही हमें रोक लिया। मिथिलेश इस मर्डर केस में आरोपी माने जा रहे जितेंद्र (35) की मां हैं। मिथिलेश ने ही सबसे पहले पुलिस को घर की छत से बदबू आने की सूचना दी थी। उनकी इस सूचना के बाद ही ड्रम में लाश का खुलासा हुआ। मिथिलेश बताती हैं- हमारा पहले खैरथल तिजारा जिले से 27 किलोमीटर दूर कोटकासिम कस्बे के पुर गांव में खुद का ईंट भट?टा था। वो मेरे पति चलाते थे, कई साल पहले बंद हो गया था। उस भट्टे पर पानी रखने के लिए ऐसे बहुत सारे ड्रम थे।भट्ठा बंद होने के बाद 10-15 नीले ड्रम हमने अपने घर पर रख लिए। सुनीता ने ड्रम मांगा। मेरे घर में बहुत सारे ड्रम थे तो मैंने दे दिया।

हसबैंड का ऑफिस कुलीग से अफेयर था,वो छोड़कर चला गया शादी ही तो मेरी पहचान थी, उसके बगैर अकेले कैसे रहूं

नयी दिल्ली। समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से। सवाल- मेरी उम्र 42 साल

है। पिछले पांच साल मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरे रहे हैं। मेरी 10 साल की शादी टूट गई क्योंकि मेरे हसबैंड का अपने ऑफिस में एक कुलीग के साथ अफेयर हो गया। पहले तो काफी समय तक उसने ये बात मुझसे छिपाए रखी। फिर जब पता चला तो वो मुझे छोड़कर चला गया। पांच साल मैं इस उम्मीद में थी कि शायद एक दिन वो वापस लौट आएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फाइनली 5 महीने पहले हमारा डिवोर्स हो गया और इसी के साथ वो आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई। मैं वर्किंग वुमन हूं। फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं, लेकिन मुझे भी पता नहीं था कि इमोशनली मैं कितनी डिपेंडेंट हूं। मुझसे अकेले बिल्कुल जिया नहीं जा रहा। लगता है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है, मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई है। मैं क्या करूं कि किसी तरह फिर से नॉर्मल महसूस कर सकूं, फिर से जिंदगी जी सकूं।अपनी कहानी हमसे शेयर करने के लिए आपका शुक्रिया। आपने जो अनुभव किया है, वह काफी तकलीफदेह है। आप जिस धोखा, ट्रॉमा और इमोशनल तकलीफ से गुजरी हैं, उसे देखते हुए आपकी यह भावनात्मक स्थिति बिल्कुल जायज है। अगर मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो एक बहुत पर्सनल और इंटीमेट रिलेशनशिप में मिले इस धोखे ने आपको इमोशनल दुख पहुंचाने के साथ आपके आत्म-सम्मान, आइडेंटिटी और सेल्फ वर्थ को भी नुकसान पहुंचाया है।आइए इसे ढंग से डिकोड करके समझने की कोशिश करते हैं और इस पर बात करते हैं कि इस तकलीफ से बाहर कैसे निकला जाए। आपके केस का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण- 1. शोक के चरण (कुबलर-रॉस मॉडल) आप इस वक्त संभवतः दुख के इन 5 चरणों से बार-बार गुजर रही हैं- डिनायल या इनकारः पांच साल तक आप इस उम्मीद में बैठी रहीं कि एक दिन वो वापस लौट आएगा। यह क्लासिक डिनायल का केस है। जब तक दुख बिल्कुल सिर पर न आए, तब तक उससे छिपना और इनकार करते रहना। क्रोधः हालांकि आपने यह साफ नहीं किया है कि आपका गुस्सा अपने हसबैंड के प्रति है या उस दूसरी महिला के प्रति या खुद के प्रति। यह एक दबा हुआ गुस्सा हो सकता है, जो कई बार उदासी के रूप में दिखाई देता है। बारगेनिंग या सौदेबाजीः अपने मन में ये सोचना, 'अगर मैंने चीजें दूसरी तरह से की होतीं तो शायद वह मुझे छोड़कर नहीं जाता।' जिन रिश्तों में इमोशनल डिपेंडेंसी होती है, वहां ऐसी फीलिंग होना आम है। डिप्रेशन या अवसादः आप इस वक्त डिप्रेशन में हैं। दुख, निराशा, खालीपन के एहसास जैसी फीलिंग्स से ये बात बिल्कुल स्पष्ट है। स्वीकृतिः फाइनली तलाक के बाद आप इस सच को स्वीकारने की स्टेज तक पहुंची हैं, लेकिन अभी भी मन में शांति नहीं है, एक खोखली सी जीत की फीलिंग है।2. ओवर इमोशनल डिपेंडेंस आपने लिखा है कि आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं, लेकिन इमोशनली आप इस रिश्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं। भले आपको इस बात का एहसास न रहा हो। इसका अर्थ है कि आपकी इमोशनल वेलबीइंग इस शख्स पर बहुत ज्यादा निर्भर थी। आपको उसकी मौजूदगी, साथ, अप्रूवल की जरूरत थी। 3. भरोसे का टूटना और रिजेक्शन का एहसास उसके अफेयर का पता चलना एक गहरे भरोसे के रिश्ते का टूटना है। खासतौर पर तब, जब लंबे समय तक यह अफेयर छिपा हुआ था और आपको इस बारे में पता नहीं था। यह एक गंभीर बिट्रेअल ट्रॉमा है। इस ट्रॉमा के कारण- हमारी भरोसा करने की ताकत को लांग टर्म डैमेज हो सकता है। धोखा खाया व्यक्ति रिजेक्शन या ठुकराए जाने को इंटर्नलाइज कर सकता है। उसके मन में यह बात बैठ सकती है कि वो नाकाफी है, नाकाबिल है, कम है। 4. सेल्फ इस्टीम और आइडेंटिटी को नुकसान जब किसी व्यक्ति की पहचान और उसका सेल्फ वर्थ एक रिश्ते से बंधा होता है तो उस रिश्ते के टूटने के कारण ये नुकसान हो सकते हैं- आइडेंटिटी कनफ्यूजनः ये सोचना कि 'इस रिश्ते के बगैर मैं कौन हूं?' लो सेल्फ इस्टीमः खुद को कमतर महसूस करना। ये सोचना कि मैं प्यार के काबिल नहीं हूं। खुद को बेहतर समझने के लिए सेल्फ स्क्रीनिंग टूल आगे बढ़ने से पहले मैं आपको खुद को बेहतर समझने के लिए एक सेल्फ स्क्रीनिंग टूल दे रहा हूं- इमोशनल रिकवरी स्टेटस स्केल टेस्ट। इस टेस्ट में 10 सवाल हैं। इन सवालों को आपको 1 से 5 के स्केल पर रेट करना है। 1 का अर्थ है- बिल्कुल नहीं और 5 का अर्थ है, हमेशा। हर सवाल का जवाब लिखने के बाद आपको अपना स्कोर चेक करना है। सवाल नीचे ग्राफिक में हैं। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। पहले सवालों के जवाब दीजिए और फिर अपने स्कोर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन चेक करिए।चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लान- पहला सप्ताहः स्टेबलाइजेशन और ग्राउंडिंग (मन को स्थिर करना, अपनी जमीन मजबूत करना) लक्ष्यः- दुख को स्वीकारना, इमोशनल बाउंड्रीज बनाना, जीवन में एक डेली रूटीन स्ट्रक्चर बनाना। 1. ग्रीफ जर्नलिंग, अपनी भावनाओं को रोज एक डायरी में लिखें। कुछ भी छिपाना नहीं है। हर बात व्यक्त करनी है। जैसे- मैंने क्या खोया है? मुझे किस बात से डर लगता है? मेरा वो कौन सा हिस्सा है, जो अतीत को पकड़कर रखना चाहता है। वो कौन सी चीज है, जो मुझे आगे बढ़ने से रोक रही है। 2. इमोशनल हम जो महसूस कर रहे हैं, वो क्या है। इसलिए उसे नाम देने से उसे समझने और दूर करने में मदद मिलती है। जैसेः मुझे गुस्सा आ रहा है। मुझे रिजेक्शन फील हो रहा है। मैं ठुकराया हुआ महसूस करती हूं।मुझे बहुत अकेलापन लग रहा है। मुझे दुख उसके जाने का नहीं, धोखा खाने का है। उसके न होने से ज्यादा ये बात परेशान कर रही है कि वो मुझसे झूठ बोल रहा था। 3. नींद और न्यूट्रिशन सोने और जागने का एक समय तय करें। रोज उसी समय पर सोएं। (जैसे रात 10:30 से सुबह 6:30) शाम को 5 बजे के बाद कैफीन का सेवन न करें। संतुलित भोजन करें। भूख न हो तब भी खाना स्किप न करें। 4. अतीत की चीजों से दूर रहना उसका सोशल मीडिया चेक न करें। हर उस चीज से दूर रहें, जो उसकी याद दिलाती हो, जैसे कॉमन फ्रेंड्स, कॉमन जगहें, जहां आप साथ जाते रहे हैं। घर में उसका कोई भी सामान हो तो उसे डिसकार्ड कर दें या पैक करके रख दें।दूसरा सप्ताहः खुद को फिर से क्लेम करना, सेल्फ इस्टीम को मजबूत करना लक्ष्यः रिश्ते से बाहर और रिश्ते से इतर अपने सेल्फ वर्थ पर फोकस करना, उसे समझना और बेहतर बनाना।1. 'मैं कौन हूं?' एक्सरसाइज अपने बारे में रोज एक पैराग्राफ लिखें। मैं कौन हूं, क्या कहूं, मेरे होने का मकसद क्या है। ऐसा पैरा, जिसमें गुजरे रिश्ते का और उस व्यक्ति का कोई जिक्र न हो। जीवन में आपकी और भी भूमिकाएं हैं, जैसे एक दोस्त, एक बहन, एक बेटी, एक प्रोफेशनल और सबसे बढ़कर एक इंसान, एक औरत। इन सारी भूमिकाओं पर फोकस करें। 2. खुद से संवाद रोज सुबह आईने के सामने खड़ी होकर खुद से ये बातें कहेंः- मैं प्यार के काबिल हूं। मैं अपने आप में संपूर्ण हूं। उसके मुझे छोड़ देने से मेरा महत्व डिफाइन नहीं होता है। 3. पुरानी रुचियों, हॉबीज को दोबारा शुरू करें उन रुचियों पर फिर से काम शुरू करें, जो आपने पीछे छोड़ दी थीं। कोई बुक क्लब, डांस क्लास या आर्ट ग्रुप जॉइन करें। फिजिकली संभव न हो तो ऑनलाइन करें।4. थैरेपी रीडिंग ऐसी किताबें पढ़ें, फिल्में देखें, जिसमें आपके जैसे अनुभवों से गुजरने वाली महिलाओं की कहानी हो। उनके अपने जीवन को फिर से गढ़ने की यात्रा हो। जैसे- 'वुमन हू लव टू मच' - रॉबिन नॉरवुड 'द जर्नी फ्रॉम एबैनडनमेंट टू हीलिंग'- सूजन एंडरसन शेष यात्रा- ऊषा प्रियंवदा, तीसरा सप्ताहः जिंदगी को रीस्ट्रक्चर करना, नई बाउंड्रीज सेट करना.लक्ष्यः जिंदगी में नए इमोशनल जुड़ाव बनाना, नए रिश्ते, नए दोस्त, नई जमीन। अपने आपको नए सिरे से डिफाइन करना 1. सोशल रीकनेक्शन उन दो डायरी लिखूंगी। 3. बाउंड्री बनाने का अभ्यास भविष्य के रिश्तों के लिए 5 बाउंड्रीज तय करें।वो कौन सी चीजें होंगी, जो आप स्वीकार नहीं करेंगी। जैसे इमोशनल नेगलेक्ट, सेल्फ रिस्पेक्ट के साथ समझौता। 4. माइंडफुलनेस का अभ्यास रोज 10 मिनट मेडिटेशन करें। पुरानी चीजों को छोड़ने, जाने देने और वर्तमान में रहने का अभ्यास करें। चौथा सप्ताहः फिर से भरोसा करना, एक नई शुरुआत की तरफ कदम बढ़ाना, लक्ष्यः फिर से यकीन करना, सिर्फ दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर भी। 1. माफ करना दूसरों से मिली तकलीफों के लिए उन्हें माफ करना जरूरी है। उनके लिए नहीं, बल्कि खुद अपने लिए। खुद को उस दुख से मुक्त करने के लिए। लेटर राइटिंग टेक्नीक- अपने मन की हर बात एक पत्र में उसे लिख दें। वो पत्र जो भेजना नहीं है। 2. इनर चाइल्ड हीलिंग अपने भीतर के बच्चे को हील करें। उससे बात करें, उसे कंफर्ट दें। प्यार, भरोसा और सुरक्षा वाले शब्द दोहराएं। खुद से बहुत प्यार और भरोसे की भाषा में बात करें। 3. दूसरे रिश्ते की तैयारीः बेसिक चेकलिस्ट। क्या आप दूसरे रिश्ते के लिए तैयार हैं। यह जानने के लिए खुद से यह सवाल पूछेंः क्या मैं सचमुच कंपैनियनशिप ढूंढ रही हूं या मुझे उसका इमोशनल रिप्लेसमेंट चाहिए। क्या मैं अकेले रहते हुए भी इमोशनली स्टेबल महसूस कर सकती हूं।4. डेटिंग माइंटसेट रीफ्रेम अगर फिर से डेटिंग की शुरुआत करती हैं तो बेचैनी, अकेलेपन, दुख से भागने के कारण न करें।इसलिए न करें क्योंकि अपना साथ बर्दाश्त नहीं हो रहा है। मन स्थिर हो, भीतर शांति हो, तभी करें। क्यूरिऑसिटी के साथ कदम बढ़ाएं। छोटी-छोटी मुलाकात, कॉफी, बातचीत के साथ शुरुआत करें। जीवन में आगे बढ़ने के 3 स्टेप्स जीवन में रिश्ते सुंदर और जरूरी हैं, लेकिन कोई भी रिश्ता हमारे जीवन से बड़ा नहीं है और वह हमारे होने के महत्व को तय नहीं करता। रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि हम हैं। इसलिए सबकुछ के केंद्र में और सबसे महत्वपूर्ण हम खुद हैं। दुख और धोखे से उबरने और जिंदगी में आगे बढ़ने के ये 3 जरूरी स्टेप्स हैं,इमोशनल पेन से उबरने में थोड़ा वक्त लगता है, लेकिन आमतौर पर थोड़ी माइंडफुलनेस और सेल्फ हेल्प के साथ कुछ वक्त में यह सामान्य हो जाता है। लेकिन हमें पता होना चाहिए कि कब स्थिति हमारे नियंत्रण से बाहर हो रही है और हमें प्रोफेशनल हेल्प की जरूरत है।आप पांच साल इन सबसे गुजरकर आई हैं और अब इस बारे में बात कर रही हैं। आपने पहले ही काफी साहस का परिचय दिया है। हीलिंग का मतलब ये नहीं है कि जो कुछ हुआ, हम उसे भूल जाएं। हीलिंग का मतलब है, खुद को नए सिरे से गढ़ना। सब तकलीफों से ऊपर उठकर अपना एक नया वर्जन बनाना। फिर से खुश होकर और खुलकर जीना।

अरुणा ईरानी हुई 79 की, अमिताभ की हीरोइन बनीं,रेखा ने फिल्म से निकलवाया, महमूद संग अफेयर की खबरों से करियर बिगड़ा,500 से ज्यादा फिल्में कीं

मुंबई। 'कभी-कभी लगता था कि मैं लड़की क्यों पैदा हुई। बचपन से ही गरीबी देखी, डॉक्टर बनने का सपना देखा, लेकिन हालात ने साथ

नहीं दिया। घर की आर्थिक तंगी के कारण छठी क्लास के बाद ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी, लेकिन जब आज की लड़कियों को अपने हक के लिए आवाज उठाते देखती हूं, तो दिल से एक आवाज निकलती है काश जल्दी इस दुनिया से जाऊं और फिर से लड़की बनकर लौटूं। मुझे आज के दौर को जीना है।' यह बात अरुणा ईरानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कही थी। आज भले ही अरुणा ऐशो-आराम की जिंदगी जी रही हों, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उनके घर में खाने तक के लाले थे। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए महज 9 साल की उम्र में ही उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रख दिया था। धीरे-धीरे सफलता भी मिली, लेकिन फिर महमूद संग प्यार की खबरों ने करियर बर्बाद कर दिया। हालांकि इन सभी मुश्किलों से लड़ते हुए उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई।अरुणा ईरानी के बचपन के दिन बेहद गरीबी में बीते। उनके पिता ड्रामा कंपनी से कुछ खास कमाई नहीं कर पाते थे और जो भी कमाते थे, वह जुए में उड़ा देते थे। वे अक्सर बीमार रहते थे। ऐसे में उनकी मां फिल्मों में छोटे-

मोटे रोल करके घर चलाती थीं। कई बार घर में खाने को कुछ नहीं होता था। कई बार तो वे सिर्फ प्याज और चावल खाकर गुजारा करते थे। इसके बावजूद उन्होंने कभी अपनी गरीबी को कमजोरी नहीं माना। कुनिका सदानंद के पॉडकास्ट में अरुणा ने कहा- हम भले ही तंगी में जी रहे थे, फिर भी अपनी दुनिया में खुश थे। शायद इसलिए बचपन हमेशा खूबसूरत लगता है, क्योंकि अगर आपके पास बहुत पैसा हो, तो उसकी अहमियत समझ नहीं आती। और अगर कुछ न हो, तो भी कोई कमी महसूस नहीं होती, क्योंकि आदत बन जाती है। इसलिए जो मिलता था वो खाते थे और खुश रहते थे।60 के दशक में फिल्मों के ऑडिशन के लिए एजेंट ही बच्चों को ले जाया करते थे। एक दिन एक एजेंट आया और सभी बच्चों को एक फिल्म के ऑडिशन के लिए ले गया, जिसमें अरुणा भी शामिल थीं। उस वक्त अरुणा को लगा कि उन्हें कौन ही सिलेक्ट करेगा, लेकिन अगर वह जाएंगी तो उन्हें कुछ अच्छा खाने को मिलेगा, इसलिए चली भी गईं। वहां पहुंचकर ऑडिशन देने के बजाय

अरुणा खाने-पीने में लग गईं। तभी वहां मौजूद दिलीप कुमार की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने जोर से आवाज लगाई, ऐ लड़की, तुम यहां आओ और पूछा, क्या तुम फिल्मों में काम करोगी? इसके बाद दिलीप कुमार ने उन्हें अपनी फिल्म गंगा जमुना में एक रोल ऑफर किया। यहीं से अरुणा ईरानी के फिल्मी करियर की शुरुआत

हो गई। ये बातें अरुणा ने एएनआई से बातचीत में बताई थी। इसके बाद वह अनपढ़ (1962), जहांआरा (1964), फर्ज (1967), उपकार (1967) और आया सावन झूम के (1969) जैसी फिल्मों में भी नजर आईं।अरुणा लगातार फिल्मों में काम कर रही थीं और पहचान भी मिल रही थी, लेकिन उन्हें लीड एक्ट्रेस का रोल नहीं मिल रहा था, लिहाजा ज्यादातर साइड रोल करती रहीं। फिर फिल्म बॉम्बे टू गोवा में उन्हें पहली बार बतौर लीड एक्ट्रेस मौका मिला, जिसमें वे अमिताभ बच्चन के साथ नजर आईं। इस फिल्म का निर्देशन महमूद ने किया था। एएनआई से बातचीत में अरुणा ईरानी ने बताया कि हर कलाकार का सपना होता है कि वह लीड रोल निभाए, मेरा भी यही ख्वाब था। भले ही यह फिल्म छोटी थी, लेकिन मुझे अच्छी फीस मिल रही थी और एक्ट्रेस का काम भी मेरे लिए ठीक था। इसी फिल्म के साथ मैंने 'कारवां' भी की थी।बॉम्बे टु गोवा और कारवां दोनों ही फिल्में हिट साबित हुईं। आमतौर पर ऐसी सफलता के बाद हर एक्ट्रेस का करियर ऊंचाइयों पर पहुंचता है, लेकिन अरुणा के साथ इसका उल्टा हुआ और उन्हें काम मिलना बंद हो गया। इसकी वजह महमूद के साथ उनके अफेयर की चर्चाएं थीं, जिसने उनके करियर पर बुरा असर डाला।

दरअसल, बॉम्बे टू गोवा के दौरान अरुणा और महमूद के अफेयर की खबरें फैलने लगीं। यहां तक कहा गया कि दोनों ने चोरी-छिपे शादी कर ली है, जिसका असर अरुणा के फिल्मी करियर पर पड़ा और कई सालों तक उन्हें कोई काम नहीं मिला। जूम से बातचीत में अरुणा ने कहा- मैं और महमूद अच्छे दोस्त थे। हमने कई फिल्मों में साथ काम किया। उन्होंने मुझे कॉमेडी करना सिखाया और मैं उन्हें अपना गुरु मानती थी, लेकिन शादी की झूठी खबरों ने मेरा करियर बर्बाद कर दिया। मेरी गलती यह थी कि मैंने उस वक्त सफाई नहीं दी। हमें मीडिया के सामने आकर सच्चाई बतानी चाहिए थी, लेकिन हमने चुप्पी साधे रखी।अरुणा को करीब ढाई साल तक कोई काम नहीं मिला। उन्होंने अब तक जो भी पैसे कमाए थे, सब खत्म हो चुके थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें। इसी बीच उन्हें दादा कोंडके की मराठी फिल्म 'आंधळा मारतो डोळा' (1973) में लावणी डांस करने का मौका मिला। इस गाने के लिए उन्हें ढाई हजार रुपए मिले। लावणी की शूटिंग आरके स्टूडियो के पास हो रही थी। संयोग

से वहीं पर राज कपूर मौजूद थे। उन्होंने अरुणा ईरानी को अपनी फिल्म 'बॉबी' (1973) का ऑफर दिया। राज कपूर ने साफ कहा कि ये रोल सिड्यूस जैसा नहीं है। यह एक ऐसा किरदार है, जिसका नेचर फ्लर्ट करने वाला है, जैसे कुछ लोगों की फितरत होती है। काम की सख्त जरूरत होने के कारण अरुणा ईरानी ने तुरंत हामी भर दी। यही से उनकी हिंदी सिनेमा में दूसरी पारी की शुरुआत हुई। फिल्म बॉबी में एक सीन था जिसमें ऋषि कपूर बिना कपड़ों के बाहर आते हैं और तौलिए से बाल सुखाते हैं। इस सीन में अरुणा ईरानी भी थीं। जब उन्हें यह सीन करना था तो उन्होंने शुरू में मना कर दिया, क्योंकि उन्हें शर्म महसूस हो रही थी। उन्हें यह सीन करना अजीब लग रहा था। फिर जब राज कपूर ने उन्हें समझाया कि सीन की जरूरत क्या है और इसमें कुछ गलत नहीं है, तब वो मान गईं। बाद में अरुणा ने खुद कहा कि ऋषि कपूर ने सीन अच्छे तरीके से किया था और यह सीन फिल्म के लिए जरूरी था। ये बातें उन्होंने लहरें रेट्रो से बातचीत में बताई थीं।अरुणा ईरानी और रेखा 70 और 80 के दशक की मशहूर

अभिनेत्रियों में से थीं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। दोनों ने औरत, कश्मकश और भगवान दादा जैसी कई फिल्मों में एक साथ काम किया। ऑन-स्क्रीन उनकी केमिस्ट्री शानदार रही और उनकी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती भी चर्चाओं में रही, लेकिन उनके रिश्ते हमेशा अच्छे नहीं थे। जब अरुणा और रेखा फिल्म औरत में साथ काम कर रही थीं, तब अरुणा को एक बेहद दमदार रोल मिला था, जिसका सपना कोई भी एक्टर देख सकता है। अरुणा ने उस रोल को बखूबी निभाया भी, लेकिन बाद में रेखा ने वह सीन फिल्म से हटवा दिया। एक और फिल्म मंगलसूत्र से भी रेखा ने अरुणा को निकलवा दिया था। लहरें रेट्रो चैनल से बातचीत के दौरान अरुणा ईरानी ने बताया- मैंने प्रोड्यूसर से पूछा कि साइनिंग अमाउंट देने के बाद भी मुझे फिल्म से क्यों हटाया गया? तो उन्होंने कहा कि रेखा जी नहीं चाहती थीं कि आप

फिल्म में रहें। जब मैंने रेखा से इस बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा- 'अरुणा अगर तुम यह रोल इमोशनली अच्छे से कर लोगी तो मैं फिल्म में वैम्प लगने लगूंगी।' इसलिए उन्होंने मुझे फिल्म से हटवा दिया।अरुणा ईरानी को शुरू में फिल्मों में ज्यादातर विलेन या मजाकिया किरदार ही मिलते थे। उनके ग्लैमरस रोल देखकर लोग उनकी असली एक्टिंग को पहचान नहीं पाए, लेकिन उन्होंने खुद को एक ही तरह के रोल तक सीमित नहीं रखा। धीरे-धीरे उन्होंने मां और मजबूत किरदार निभाने शुरू किए, खासकर 1980 और 1990 के दशक में। टीवी पर भी उन्होंने समझदार और असरदार रोल किए, जिससे उनकी एक्टिंग की असली ताकत दिखी। उन्होंने कभी खुद को किसी एक छवि में नहीं बांधा, इसी वजह से वो लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री में सम्मान और पहचान बनाए रख सकीं।फिल्म कोहराम (1991) के सेट पर अरुणा ईरानी फिल्ममेकर कुकू कोहली से मिली थीं। उस समय कुकू कोहली फिल्म के निर्देशक थे और अरुणा ईरानी एक्ट्रेस थीं। शुरुआत में, दोनों के बीच अच्छी नहीं बनती थी, क्योंकि कुकू कोहली सभी कलाकारों को धर्मेंद्र के आने तक इंतजार करवाते थे, जिससे अरुणा को गुस्सा आता था, क्योंकि वह कई फिल्मों में एक साथ काम कर रही थीं, लेकिन फिर सेट पर दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो

पत्नियां दूसरी औरत को दोष देती हैं, लेकिन असल में उन्हें अपने पति से सवाल करना चाहिए कि उसने ऐसा क्यों किया। उन्होंने कहा कि किसी को खुश रखना उनकी जिम्मेदारी नहीं थी, ये काम पति का होता है। आखिर में उन्होंने कहा कि किसी रिश्ते में तीसरा इंसान क्यों आता है, ये बात सिर्फ वही दो लोग समझ सकते हैं जो उस रिश्ते में होते हैं।अरुणा ईरानी ने शादी के बाद बच्चे न करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि नीना गुप्ता बहुत बहादुर हैं, लेकिन उनमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि बच्चे को बिना ठीक परिवार के माहौल में पालें। उन्होंने बताया कि उनके पापा ने दो शादियां की थीं और वो कभी उन्हें खुलकर पापा नहीं कह पाईं। ऐसा माहौल वो अपने बच्चे को नहीं देना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने मां न बनने का फैसला लिया। अरुणा ईरानी ने ये भी बताया कि अगर उन्होंने बच्चे किए होते तो शायद उन्हें अपना काम छोड़कर घर पर ही रहना पड़ता, क्योंकि बच्चे की देखभाल, उसे संभालना सब खुद ही करना होता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।